RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 182 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 28-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान : योगी आदित्यनाथ
6 नफरत बनाम संविधान : लोकतंत्र की असली कसौटी
7 लगातार नौवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

फर्स्ट टेक

भारत-ईयू एफटीए के 2026 में लागू होने की संभावना : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि महत्वाकांक्षी भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वर्ष 2026 में लागू हो सकता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक व्यापार समझौते की वार्ता संपन्न होने की घोषणा के कुछ घंटों बाद यह बात कही। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग की प्रमुख की भारत की राजकीय यात्रा पर आयोजित एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए गोयल ने कहा, ''हर समझौता अपने आप में खास होता है और यह एक शानदार समझौता है। इसकी कानूनी बारीकियों की जांच बहुत तेजी से की जाएगी...। हमें उम्मीद है कि हम वर्ष 2026 के भीतर ही इस समझौते के लागू होने का जश्न मनाएंगे।''

अरिजीत सिंह ने पार्श्व गायन को कहा 'अलविदा'

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय और सफल गायकों में से एक अरिजीत सिंह अब पार्श्वगायन न करने की मंगलवार को घोषणा की और अब तक के अपने इस सफर को शानदार बताया। अरिजीत ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैं इस सफर को यहीं समाप्त कर रहा हूं, यह एक शानदार सफर रहा।'' उन्होंने लिखा कि वह अब पार्श्वगायक के रूप में कोई नया काम नहीं करेंगे।'' उनके इस फैसले से उनके प्रशंसकों में सदमे की लहर दौड़ गयी। अरिजीत हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और महंगे गायकों में से एक हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, नमस्ते, आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं। इतने वर्षों तक श्रोताओं के रूप में मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब पार्श्वगायक के रूप में विदा ले रहा हूं। मैं इसे अलविदा कह रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।

भुवनेश्वर में देसी बम विस्फोट में चार लोग घायल

भुवनेश्वर/भाषा। पश्चिम बंगाल के सुंदरपाड़ा इलाके में मंगलवार को हुए एक देसी बम विस्फोट में चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना यहां एयरफील्ड थाना अंतर्गत आजाद नगर में उस समय हुई जब कुछ लोग किराए के मकान की छत पर अवैध रूप से देसी बम बना रहे थे। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा, ''आपराधिक पृष्ठभूमि वाले एस मलिक समेत चार लोग बम विस्फोट में घायल हो गए। घटना के समय वे अवैध रूप से बम बना रहे थे।'' इस घटना में मलिक, उसकी मां, दोस्त अमिया रंजन मलिक और एक महिला मित्र घायल हो गई।

28-01-2026	29-01-2026
सूर्यास्त 6:19 बजे	सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
81,857.48	25,175.40
(+319.77)	(+126.75)

सोना	चांदी
16,680 रु.	352,910 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीति में प्रमुख

राजनीति का प्रमुख धर्म है,
केवल सत्ता को पाना।
राजनीति का प्रमुख कर्म है,
इक दूजे को लड़वाना।
राजनीति का प्रमुख मर्म है,
निज दल को ही पुजवाना।
राजनीति की प्रमुख शर्म है।
जन चुनाव हार जाना।

भारत-यूरोपीय संघ ने किया 'सबसे बड़ा समझौता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए जिसे 'अबतक का सबसे बड़ा समझौता' बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने व्यापार एवं रक्षा क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की दिशा में काम करने के लिए एक व्यापक एजेंडा पेश किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के नेताओं उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा की मेजबानी की। इसके बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा व रक्षा सहयोग और यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत और 27 देशों के समूह ने अगले पांच वर्षों के लिए एक संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा पेश किया। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन सहित कुल 13 समझौतों को अंतिम रूप दिया।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होने के बाद से 18 साल लग गए। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने में कम से कम छह महीने लग सकते हैं क्योंकि दोनों पक्षों द्वारा इसकी कानूनी जांच-पड़ताल आवश्यक होगी।

यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून 2022 में फिर से बातचीत शुरू की गई।

यूरोपीय संघ एक समूह के रूप में, वस्तुओं के मामले में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डॉलर का था। इसमें निर्यात करीब 76 अरब अमेरिकी डॉलर और आयात 60 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

वॉन डेर लेयेन ने कहा, '' यह (मुक्त व्यापार समझौता) भारत के कौशल, सेवाओं एवं विशाल क्षमता को यूरोप की प्रौद्योगिकी, पूंजी तथा नवाचार के साथ जोड़ता है। '' उन्होंने अमेरिकी प्रशासन की व्यापार और शुल्क नीतियों का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा, ''इससे विकास के ऐसे स्तर प्राप्त होंगे जो कोई भी पक्ष अकेले हासिल नहीं कर सकता। इन शक्तियों को मिलाकर, हम रणनीतिक निर्भरता को कम करते हैं। ऐसे समय में जब व्यापार का तेजी से हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।''

■ दोनों पक्षों ने सुरक्षा व रक्षा सहयोग और यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

साझेदारी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता को मजबूत करेगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था 'भारी उथल-पुथल' का सामना कर रही है और ऐसे में भारत और यूरोपीय संघ के बीच साझेदारी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, '' आज भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है।''

मोदी ने बयान में कहा, '' इससे हमारे किसानों तथा लघु उद्योगों को यूरोपीय बाजार तक पहुंच सुगम होगी और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।'' उन्होंने कहा, '' यह मुक्त व्यापार समझौता भारत और यूरोपीय संघ के बीच निवेश को बढ़ावा देगा, नए नवाचार साझेदारियों का निर्माण करेगा और वैश्विक स्तर पर आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करेगा। इसका मतलब यह है कि यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह साझा समृद्धि के लिए एक नया खाका है।''

भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी से दो अरब लोगों का बाजार बना रहे हैं

व्यापार समझौते की सराहना करते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ की साझेदारी यह सशक्त संदेश देगी कि वैश्विक चुनौतियों का सबसे अच्छा समाधान सहयोग है। ये टिप्पणियां यूरोप और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं। उन्होंने कहा, '' हमने कर दिखाया। हमने अब तक का सबसे बड़ा समझौता कर दिखाया। हम दो अरब लोगों का बाजार बना रहे हैं।'' लेयेन ने कहा, '' यह दो दिग्गजों की कहानी है...। दुनिया की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की। दो दिग्गज जिन्होंने वास्तव में पारस्परिक लाभ के दृष्टिकोण से साझेदारी को चुना। एक सशक्त संदेश कि वैश्विक चुनौतियों का सबसे अच्छा समाधान सहयोग ही है।'' उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते से यूरोपीय निर्यातकों के लिए वार्षिक शुल्क में चार अरब यूरो तक की कटौती होगी और भारत और यूरोप दोनों में लाखों श्रमिकों के लिए रोजगार सृजित होंगे।

देश को फिर से राजा-महाराजाओं के जमाने में धकेला जा रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के मुद्दे पर मंगलवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश को फिर से राजा-महाराजाओं के उस जमाने में धकेला जा रहा है, जहां सारी ताकत और संपत्ति गिनती के लोगों के पास होती थी। उन्होंने मनरेगा मजदूरों के साथ हालिया बातचीत का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया और दावा किया कि मोदी सरकार मजदूरों को गुलाम बनाने वाली सरकार है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''मोदी जी का मनरेगा को बर्बाद करने का मकसद क्या है? मजदूरों से दिहाड़ी के मोल-भाव का हक छीन लेना, पंचायतों की शक्ति छीन कर उनके हाथ बांधना, राज्यों से अधिकार छीन कर दिल्ली में केंद्रित करना, देश को फिर से राजा-महाराजाओं के जमाने में धकेलना, जहां सारी ताकत और संपत्ति गिनती के लोगों के पास हो।''

राहुल गांधी के अनुसार, देश के करोड़ों श्रमिक एक आवाज में कह रहे हैं कि मनरेगा ने हमारी जिंदगी बदली। उन्होंने दावा किया, ''आज वही श्रमिक कह रहे हैं कि मोदी सरकार मजदूरों को गुलाम बनाने वाली सरकार है।

लक्षित हमलों की साजिश की विफल

गुजरात एटीएस ने संदिग्ध आतंकी को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की हत्या की आतंकी साजिश को विफल करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन-- जैश ए मोहम्मद की कट्टरपंथी विचाराधारा से कथित रूप से प्रेरित होकर 'अकेले' काम करता था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी फैजान शेख पैगंबर मोहम्मद के 'अपमान' का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश भर में लक्षित हत्याओं की साजिश के अंतिम चरण में था। एटीएस ने उसके पास से एक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए, जिनका इस्तेमाल वह कथित तौर पर 'हाई प्रोफाइल' हत्याओं के लिए करना चाहता था। उन्होंने बताया कि पेश से दर्जी फैजान शेख (22) गुजरात के नवसारी में रह रहा था लेकिन वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले का है।

मंगलवार को रांची में नए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमों के विरोध में विभिन्न संगठनों के सदस्यों द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन।

अवैध रेत खनन में 'सभी दलों के बड़े लोग शामिल' हैं : जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रेत माफिया से धमकियां मिलने का एक महिला विधायक द्वारा दावा किये जाने के बाद, मंगलवार को कहा कि ''सभी दलों के बड़े लोग'' अवैध रेत खनन में शामिल हैं।

विधायक ने दावा किया था कि राज्य के रायचूर जिले में रेत माफिया की गतिविधियां रोकने के उनके प्रयासों के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि यह एक ''शर्मनाक स्थिति'' है।

वह विधानसभा में, देवदुर्ग से जद(एस) विधायक करेम्मा नायक द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

परमेश्वर ने रायचूर जिले में अवैध रेत खनन के बारे में कहा, ''मैंने इस बारे में विवरण साझा नहीं किया है कि इसमें कौन-कौन शामिल है, इसका सरगना कौन है। यह एक बड़ा गिरोह है। इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। सभी पार्टियों के बड़े लोग इसमें शामिल हैं... यह थोड़ी शर्मनाक स्थिति है।'' उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस बात पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाएंगे कि पुलिस को इससे कैसे निपटना चाहिए।

परमेश्वर ने कहा, ''हम इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेंगे। मैं जिले के विधायकों की बैठक बुलाऊंगा और कोई भी निर्णय लेने से पहले उनके सुझाव लूंगा।''

यूजीसी के नए नियम भेदभावपूर्ण नहीं होंगे, दुरुपयोग नहीं होगा : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बरेली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए बनाए गए नए यूजीसी नियमों का ''दुरुपयोग'' नहीं होने दिया जाएगा और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। वहीं, छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि ये नियम परिसरों में अराजकता पैदा कर सकते हैं।

कई राज्यों में इन नियमों के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आश्वासन दिया कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा और नियमों का ''दुरुपयोग'' नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मैं विनम्रतापूर्वक सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी को भी किसी प्रकार के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा, कोई भेदभाव नहीं होगा और किसी को भी भेदभाव के नाम पर इस नियम का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा।''

प्रधान ने कहा, ''चाहे यूजीसी हो, केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, उनकी जिम्मेदारी है। मैं आश्वासन देता हूं कि यह संविधान के दायरे में ही रहेगा।''

सरकार गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गौमाता पर बनी पहली फिल्म-'गोदान' का 'ट्रेलर लॉन्च' किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गौमाता ना सिर्फ आध्यात्मिक रूप से पूजनीय हैं बल्कि गाय का आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्व है। साय ने फिल्म-'गोदान' को छत्तीसगढ़ में कर मुक्त किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में गौ संवर्धन के लिए बहुत कार्य हो रहा है। गौशाला में गायों के चारे के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को 20 रुपए से बढ़ाकर 35 रुपए किया गया है साथ ही गौशाला को अब 25 लाख रुपए की सहायता राशि दी जा रही है।''

संयुक्त राष्ट्र को अब अंतरराष्ट्रीय शांति कायम करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जाता : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अब अंतरराष्ट्रीय शांति सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जा रहा है और शांति एवं सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल करने के लिए चर्चाएं ''समानांतर बहुपक्षीय ढांचों'' की ओर बढ़ गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को यहां 'अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन की पुनः पुष्टि: शांति, न्याय और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के मार्ग' विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा, ''सार्वभौमिक सदस्यता वाले बहुपक्षवाद, जिसके केंद्र में संयुक्त राष्ट्र है, पर दबाव बढ़ रहा है। इस संगठन के सामने चुनौतियां केवल बजटीय नहीं हैं। संघर्षों से निपटने में जड़ता और प्रभावहीनता इसकी एक बड़ी कमी बनी हुई है।''

हरीश ने कहा कि दुनिया भर के लोग संयुक्त राष्ट्र को ऐसी संस्था के रूप में नहीं देखते जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा, ''चर्चाएं अब समानांतर बहुपक्षीय ढांचों की ओर बढ़ गई हैं, जिनमें कुछ मामलों में निजी क्षेत्र के भागीदार भी शामिल हैं, ताकि संयुक्त राष्ट्र के ढांचे से बाहर शांति और सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल किए जा सकें।''

भारत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब संयुक्त राष्ट्र और उसके सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद की वैश्विक भू-राजनीतिक संघर्षों को रोकने और सुलझाने में लगातार विफलता सामने आ रही है।

इसी पृष्ठभूमि में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के लिए अपना 'शांति बोर्ड' शुरू किया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र के विकल्प या प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वैश्विक नेताओं को अपने 'शांति बोर्ड' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह बोर्ड गाजा में स्थायी शांति लाने और वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए एक नए साहसपूर्ण तरीके पर काम करेगा।

पिछले हफ़्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के मौके पर एक कार्यक्रम में, ट्रंप ने शांति बोर्ड के घोषणापत्र को आधिकारिक तौर पर मंज़ूरी दी।

ट्रंप बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे, और जिन देशों ने इसके घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और इसमें शामिल हुए हैं, वे अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अज़रबैजान, बहरीन, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कज़ाकिस्तान, कोसोवो, मंगोलिया, मोरक्को, पाकिस्तान, पैराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और उज़्बेकिस्तान हैं।

हरीश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन का अनुप्रयोग निरंतरता, वस्तुनिष्ठता और पूर्वानुमेयता पर आधारित होना चाहिए तथा इसमें दोहरे मानदंड नहीं होने चाहिए।

।। जय भिक्षु।। ॐ अर्हम ।। जय महाश्रमण।।

नवम पुण्यस्मरण पर हार्दिक श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 27.01.2017

श्रीमती सरला बाबेल

धर्मपत्नी : प्रकाशचन्द बाबेल

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में हमेशा जलते रहेंगे
प्रण यही है हमारा आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे।
हे आदरणीय अर्पित है, विनम्र हृदय से भावांजलि।
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा, हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

श्रद्धावनत

पति : प्रकाशचन्द बाबेल
पुत्र-पुत्रवधु : दीपक-रेखा, पुत्र : विकास
पौत्र, पौत्री : ध्रुव, यश्वी एवं समस्त बाबेल परिवार
मरुधर में ठीकरवास कलां, यशवंतपुर, बेंगलूरु
पुत्री-दामाद : वंदना-मनोजकुमारजी टुंकलिया, दोहित्र,दोहित्री : परी, रियांश

Firm
SURABHI JEWELLERS
PRAKASH JEWELS & DIAMONDS
YESHWANTHPUR, BANGALORE 560 022

बेंगलूरु | बुधवार | 28-01-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'दपरे' ने गर्व के साथ मनाया गणतंत्र दिवस, अपनी उपलब्धियां बताईं

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड में गणतंत्र दिवस मनाया। महाप्रबंधक मुकुल शरण माथुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया और सलामी स्वीकार की। माथुर ने अपने संबोधन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में दपरे की उपलब्धियां बताईं। दपरे ने कुल राजस्व 6,939 करोड़ रुपए (16 प्रतिशत वृद्धि) दर्ज किया। यात्री राजस्व 2,543 करोड़ रुपए और माल ढुलाई राजस्व 3,976 करोड़ रुपए तक पहुंचकर रिकॉर्ड स्थापित हुआ है।

माथुर ने बताया कि दपरे ने अतिरिक्त प्रस्थान माल लोडिंग और राजस्व में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय रेलवे के रूप में उभर कर 38 मिलियन टन माल के साथ 18.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। इसने दिसंबर 2025 में अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक लोडिंग 5.1 मिलियन टन और 502 करोड़ रुपए का माल राजस्व दर्ज किया। हुब्बली मंडल ने भी 3.8 मिलियन टन मासिक लोडिंग के साथ नया रिकॉर्ड बनाया और 31 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की।

दपरे ने अप्रैलदिसंबर 2025 के दौरान क्षमता वृद्धि और अवसंरचना विकास में महत्त्वपूर्ण प्रगति की, 26 किमी के डबलिंग कार्य किए, बल्लारीचिकजाजुर तथा तोरणागलूरणजीतपुरा सहित प्रमुख डबलिंग परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्राप्त किया। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को बढ़ाया गया है, जिसमें 3,692 मार्ग किलोमीटर पर कवच प्रणाली की मंजूरी, 4 रोड ओवरब्रिज, 5 रेल ओवरब्रिज, 7 फुटओवरब्रिज, 1 सबवे और 15 उच्च-स्तरीय प्लेटफार्मों का उद्घाटन, 5 लेवल क्रॉसिंग गेटों को बंद करना और 13 रोड ओवरब्रिज की नींव रखना शामिल है।

गणतंत्र दिवस समारोह में डॉग स्क्वाड शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक पी. अनंत, हुब्बली डीआरएम बेला मीणा, विभागों के प्रमुख और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूओ की अध्यक्ष डॉ. संजीला माथुर भी अन्य सदस्यों के साथ मौजूद थीं।

दपरेः बेंगलूरु मंडल ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल ने एमजी कॉलोनी रेलवे ग्राउंड्स में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने दपरे के महाप्रबंधक का संदेश पढ़कर सुनाया और अप्रैल से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान रेलवे के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।

आशुतोष सिंह ने बताया कि त्योहारों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दपरे ने 481 विशेष ट्रेनें चलाईं और 614 अतिरिक्त कोच जोड़े, जिससे अतिरिक्त 232 करोड़ रुपए की आय हुई।

उन्होंने कहा कि यात्री सुरक्षा को आरपीएफ के प्रयासों से मजबूत किया गया। ऑपरेशन नन्हे फ़रिश्ते के तहत 487 बच्चों और 54 वयस्कों को बचाया गया। एंटी-टाउटिंग अभियानों के तहत 206 अपराधियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए, 5.7 लाख रु. के टिकट बरामद किए गए, 15 लाख रु. की चोरी की संपत्ति जब्त की गई, 82 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए और 603 किलो तस्करी की सामग्री जब्त की गई। 2,179 सीसीटीवी कैमरों से 164 स्टेशनों में निगरानी को मजबूत किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटरकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयंस चिंचवड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूओ बेंगलूरु मंडल की अध्यक्ष रीना सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, परिजन और ट्रेड यूनियनों एवं संघों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

केनरा बैंक ने गर्व एवं देशभक्ति की भावना के साथ गणतंत्र दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने अपने सभी कार्यालयों और शाखाओं में गर्व एवं देशभक्ति की भावना के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हरदीप सिंह अहलूवालिया ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में, अहलूवालिया ने संविधान के निर्माताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि केनरा बैंक 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के लिए अटूट प्रतिबद्धता रखता है। उन्होंने कहा कि केनरा बैंक लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। ग्राहक संतोष केनरा बैंक के संचालन की नींव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शीघ्र और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध मजबूत करने के लिए जरूरी है।इस अवसर पर कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उनमें देशभक्ति गीत और कर्मचारियों के बच्चों द्वारा नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं। इस दौरान कार्यकारी निदेशक भावेंद्र कुमार और सुनील कुमार चुघ भी मौजूद थे।

मुकुंद शरद हेजिब ने पावरग्रिड के कार्यकारी निदेशक (एसआर-2) का पदभार संभाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुकुंद शरद हेजिब ने पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के दक्षिणी क्षेत्र-2 के कार्यकारी निदेशक का पद संभाला। इस क्षेत्र में कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के सबस्टेशन शामिल हैं। मुकुंद शरद हेजिब जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। उन्हें 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वे संचालन, परियोजना, ईआरपी और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन मिशन

चिकबलापुर स्थित जैन मिशन अस्पताल में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। ट्रस्ट के सदस्य व डॉ प्रियांक सोलंकी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर डॉ नरपत सोलंकी, उत्तमचन्द कोठारी, राजेश कोठारी सहित अस्पताल के अनेक कर्मचारी व डाक्टर उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अर्हम भवन

बेंगलूरु के राजस्थान परिषद एवं अर्हम मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया गया। परिषद के अध्यक्ष संजय बैद व मित्र मंडल के सुशील चोरड़िया ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंत्री रजत बैद, मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह हीरावत, कमल तातेड़, पन्नालाल लूनिया, विकास लोढ़ा, दिनेश मरोठी, पंकज बैद आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कामधेनु गौशाला

बेंगलूरु के कामधेनु गौशाला परिवार की सदस्याओं ने सोमवार को मावल्ली स्थित चिन्नर केन्द्र आश्रम में मानवसेवा कार्य कर गणतंत्र दिवस मनाया। संस्था की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, सहमंत्री अरुणा जैन, संतोष जैन, कविता जैन, जसवंती व वंदना जैन ने आश्रम के बच्चों के साथ समय बिताया और गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए मिठाई, नाश्ता, फल एवं अन्य ज़रूरी सामग्री वितरित की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारुति मेडिकल

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रियदर्शनी पब्लिक स्कूल लग्गेरे द्वारा कृष्णप्पा खेल मैदान में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने देश भक्ति के गीतों पर मनभावन प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। स्कूल प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कन्या सुरक्षा सर्कल

तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याओं ने चनमनकेरे स्थित कन्या सुरक्षा सर्कल पर गणतंत्र दिवस का आयोजन किया तथा ध्वजारोहण किया। अभातेयुप के क्षेत्रीय संयोजक गौतम खाबिया की उपस्थिति में मुख्य अतिथि श्रीकुमार एवं श्यामला कुमार ने ध्वजारोहण किया। मंडल की अध्यक्ष संगीता तातेड़, पूर्व अध्यक्ष रेखा पोरवाड़, मंजू दक एवं कांता धोका, निवर्तमान अध्यक्ष सरोज दुग्गड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीनाक्षी देरासरिया, मंत्री पपिता दक, संगठन मंत्री ज्योति डागा, सह मंत्री रेखा भटेवरा, प्रचार प्रसार मंत्री राजुल चोपड़ा, कन्या मंडल की संयोजिका हेतल बंब, ज्ञान शाला से माही बोहरा सहित सभा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुवत समिति

बेंगलूरु के अणुव्रत समिति के सदस्यों ने महाप्रज्ञ हाई स्कूल में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया। अध्यक्ष ललित बाबेल व अन्य पदाधिकारियों ने झंडातोलन किया। बाबेल के साथ मंत्री लाभेश कांसवा, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, आचार्य महाप्रज्ञ हाईस्कूल के संस्थापक मनोहर भारती ने बच्चों को अणुव्रत की जानकारी दी। बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। समिति की तरफ से कांसवा परिवार का सौजन्य से बच्चों को मिठाई और उपहार वितरित किए गए। इस अवसर पर चंद्रशेखरय्या, मनोहर मांडोत, सूरजमल पितलिया, सुरेश चावत निर्मल पोखरना, महावीर सालेचा, सहमंत्री सुरेश चावत आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा समिति

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर बेंगलूरु के राजाजीनगर स्थित फोनिक्स वन बेंगलूरु वेस्ट अपार्टमेन्ट में मानव सेवा समिति द्वारा 22वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समिति के सदस्यों व अपार्टमेन्ट रहवासियों से एमएस रामैया अस्पताल ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 43 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समिति के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

जीतो मैसूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जीतो मैसूरु, लेडीज व यूथ विंग के सदस्यों ने सोमवार को अरुणोदय स्कूल में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उपस्थित बच्चों को आवश्यक पाठ्य सामग्री, मिठाई, टिफ़िन बॉक्स एवं अन्य ज़रूरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में जीतो मैसूरु के सहकोषाध्यक्ष गौतम बागमार, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, अपेक्स संयोजक पुनीत श्रीश्री माल, यूथ विंग के चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, मुख्य सचिव पुनित जुगराज, लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन मोना भटेवरा, उपाध्यक्ष सरिता बागमार, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

खागा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन(खागा) ने मामुलपेट स्थित सरकारी स्कूल के पास सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, सचिव कैलाश बालर, उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, सहसचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिह पुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल आदि ने झंडारोहण किया तथा जरूरतमंदों को अन्नदान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विजयनगर महिला मंडल

तेरापंथ महिला मंडल, विजयनगर की सदस्याओं ने एमसी लेआउट विजयनगर के सुभाषचंद्र बोस पार्क में निर्मित कन्या सुरक्षा सर्कल पर सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। अध्यक्ष महिमा पटावरी, संरक्षिका चंचलबाई मांडोत, पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, अणुव्रत समिति विजयनगर के अध्यक्ष महेंद्र टेबा, रेखा छाजेड़, संयोजिका प्रियंका भूरा आदि ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अलसूर

बेंगलूरु के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में जैन भवन में गणतंत्र दिवस के मौके पर जैन युवक संघ ने बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 75 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा को दर्शाते हुए मन की कल्पना को चित्रों में उकेरा। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा व मंत्री अभयकुमार बांठिया ने बच्चों के उत्साह को सराहा। युवक संघ के अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा व उनकी टीम ने प्रतियोगिता की व्यवस्था संभाली।

भाजपा, जद(एस) ने कर्नाटक के राज्यपाल के कथित अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने मंगलवार को यहां विधान सौधा में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया और राज्य विधान मंडल के संयुक्त सत्र के दौरान राज्यपाल थावरचंद गहलोत का कथित रूप से ''अपमान और अनादर'' करने के लिए कांग्रेस के कुछ विधायकों को निलंबित करने की मांग की। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग की। उन्होंने कथित आबकारी विभाग घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आर. बी. तिम्मापुर को हटाने की भी मांग की। साथ ही राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति, महिलाओं की सुरक्षा में कमी जैसे मुद्दों को भी उठाया।

विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता क्रमश: आर. अशोक और चालवाड़ी नारायणस्वामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, भाजपा विधान परिषद सदस्य सी. टी. रवि, जद (एस) नेता सुरेश बाबू और एस.एल. भोजेगौड़ा समेत दोनों पार्टियों के कई विधायक तथा एमएलसी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने यहां मीडिया से बात करते हुए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पाद शुल्क घोटाले की विस्तृत जांच किए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जांच या तो उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश द्वारा या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जानी चाहिए। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि पूरे देश ने सदन के अंदर राज्यपाल के प्रति 'कांग्रेस के गुंडों' को गुंडागर्दी करते हुए देखा है। संयुक्त सत्र के दौरान राज्यपाल के प्रति अवमानना और कथित दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, ''(कांग्रेस) सरकार अब उन कार्रवाइयों को उचित ठहराने की कोशिश कर रही है।''

कर्नाटक विधानसभा में 22 जनवरी को उस समय नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला था, जब राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण को संयुक्त सत्र में पढ़ने से इनकार कर दिया और मात्र तीन पंक्तियों में अपना परंपरागत भाषण समाप्त कर दिया। इस पर राज्य सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। तीन पंक्तियों का भाषण समाप्त करने के बाद जैसे ही राज्यपाल बाहर निकलने के लिए आगे बढ़े, सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायक नारेबाजी करते हुए उन्हें घेरने की कोशिश करने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें वहां से हटाया। इन सदस्यों में विधान परिषद सदस्य हरिप्रसाद भी शामिल थे।

विजयेंद्र ने दावा किया कि तिम्मापुर का नाम आबकारी घोटाले में सामने आया है और यहां तक कि मंत्री के परिवार के सदस्यों का भी नाम लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। अशोक ने कहा, हर एक लाइसेंस के लिए करोड़ों की रिश्वत देनी पड़ती है। मुख्यमंत्री भी इस रैकेट से लाभ उठा रहे हैं, इसलिए उन्हें की गई शिकायतों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मुख्यमंत्री को भ्रष्ट आबकारी मंत्री का तत्काल इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए; ''अन्यथा, हमारा विरोध मुख्यमंत्री के खिलाफ ही होगा।''

प्रदर्शन के दौरान कोप्पल से कांग्रेस सांसद राजशेखर बसवराज हितनाल के उस कथित बयान का भी ज़िक्र किया गया, जिसमें उन्होंने एक विदेशी महिला से बलात्कार और हत्या की घटना को मामूली बताया था। इसके अलावा कांग्रेस पर झूठा प्रचार करने के आरोप और केंद्र सरकार के नए रोजगार गारंटी कानून 'विकसित भारत जी राम जी' के खिलाफ कांग्रेस के विरोध को भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया गया।

प्रदर्शन रैली के दौरान शिवकुमार के पक्ष में नारेबाजी होने पर भड़क गये सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या मंगलवार को यहां एक विरोध प्रदर्शन रैली में तब अपना आपा खो बैठे और युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं पर चिल्ला पड़े, जब उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाये। सिद्दरामय्या ने शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ मिलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 'वीबी- जी राम जी' अधिनियम लाये जाने के विरुद्ध प्रदर्शन में यहां भाग लिया।

मुख्यमंत्री जैसे ही सभा को संबोधित करने के लिए कुर्सी से उठे, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'डीके, डीके' के नारे लगाने शुरू कर दिये। जैसे-जैसे वह भाषण देने के लिए आगे बढ़े, नारेबाजी और तेज होती गई। इस बात से नाराज होकर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर चिल्लाते हुए उन्हें चुप रहने को कहा, लेकिन उन्होंने (कार्यकर्ताओं ने) उनकी बात नहीं मानी। गुस्से में सिद्दरामय्या ने कांग्रेस नेताओं से पूछा, ये 'डीके, डीके' कौन चिल्ला रहा है?''

संचालक ने भीड़ से कहा, ''युवा कांग्रेस के नेता चुप रहें। मुख्यमंत्री भाषण दे रहे हैं। हम जानते हैं कि आप कौन हैं। चुपचाप मुख्यमंत्री का भाषण सुनें।'' सिद्दरामय्या का भाषण शुरू होने के बावजूद कार्यकर्ताओं ने बाधा डालने की कोशिश की। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष नजर आ रहा है। पार्टी के कई विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री के पक्ष में पैरवी की है।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार दोनों ने कहा है कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और आलाकमान उनके साथ है।

बेंगलूरु में महिला ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप, मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक महिला स्वास्थ्यकर्मी ने कार सवार ''पूरी तरह निर्वस्त्र'' एक व्यक्ति पर उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया जिसके बाद पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 24 जनवरी को हुई यह घटना तब सामने आई जब महिला ने अपने 'इंस्टाग्राम हैंडल' पर एक वीडियो में आपबीती साझा की।

उसने बताया कि महिला काम से घर लौट रही थी तभी कार में सवार पूरी तरह ''निर्वस्त्र'' व्यक्ति उसे लगातार बुलाता रहा और उसकी ओर कार बढ़ाता रहा। महिला का आरोप है कि किसी ने उसकी मदद नहीं की। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी हेब्बागोडी पुलिस थाने से जुड़े एक गश्ती सिपाही को दिए जाने के बाद पुलिस ने स्वत: संज्ञान लिया। इसके बाद महिला की पहचान की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला त्रिपुरा की रहने वाली है और यहां एक निजी अस्पताल में काम करती है। उन्होंने बताया कि महिला से संपर्क किया गया और विस्तृत बयान देने को कहा गया। पुलिस ने कहा कि हेब्बागोडी पुलिस थाना क्षेत्र में धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है और संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

नेपाली दंपति ने बिल्डर के घर से नकदी समेत 18 करोड़ रुपये के गहने चुराए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के मराथहल्ली स्थित एक बिल्डर के आवास पर काम करने वाले नेपाली पति-पत्नी नकदी समेत 18 करोड़ रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण, चांदी की वस्तुएं कथित तौर पर चुरा ले गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दंपति घर में घरेलू सहायक के तौर पर काम करते थे और 25 जनवरी को यह घटना हुई।

पुलिस के अनुसार, परिवार ने कई घरेलू सहायकों को काम पर रखा हुआ था और इनमें नेपाली दंपति भी शामिल था। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह परिवार एक समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था। घर के मालिक को मध्याह्न साढ़े 12 बजे बाद एक अन्य घरेलू सहायक ने सूचित किया कि घर में तोड़फोड़ हुई है। लौटने पर परिवार ने देखा कि लॉकर नीचे ज़मीन पर पड़े थे और पहली मंज़िल में तोड़फोड़ की हुई थी।

पुलिस ने बताया कि दंपति लगभग 11.5 किलोग्राम सोने और हीरे के आभूषण, पांच किलोग्राम चांदी की वस्तुएं और 11.5 लाख रुपये नकदी लेकर कथित तौर पर फरार हो गए। नकदी और चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को परिवार की गतिविधियों की जानकारी पहले से होने का संदेह है और उन्होंने कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरों को निष्क्रिय करने के लिए बिजली की आपूर्ति ठप कर दी थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और एक विशेष दल आरोपी दंपति का पता लगाने में जुटा है।

टोल कर्मचारियों पर 'ऑपरेशन पराक्रम' में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक से बदसलूकी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। कर्नाटक के उडुपी में टोल प्लाजा कर्मचारियों ने सेना के एक अभियान के दौरान अपने दोनों पैर गंवाने वाले एक सेवानिवृत्त कमांडो से बदसलूकी की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 26 जनवरी को कुंदापुर के पास सस्थाना टोल प्लाजा पर हुई। टोल बूथ पर सैनिक द्वारा रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो वायरल हो गया, जिससे व्यापक जन आक्रोश फैल गया है।

केरल के कासरगोड जिले के एडानेरू निवासी 42 वर्षीय पूर्व सैनिक श्यामराज एलीट 21 'पैरामिलिट्री यूनिट' में सेवारत थे। 'ऑपरेशन पराक्रम' के दौरान श्यामराज को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अपने दोनों पैर गंवाने पड़े, जिस कारण वह आज व्हीलचेयर पर निर्भर हैं। श्यामराज को वीडियो में यह समझाते हुए देखा जा सकता है कि उनके पास भारत सरकार द्वारा जारी वैध पहचान पत्र और टोल से छूट का पास है। पूर्व सैनिक ने टोलकर्मियों को बताया कि उन्होंने देश भर में अन्य टोल बूथ पर बिना टोल चुकाए यात्रा की है, लेकिन सस्थाना में उन्हें रोककर टोल चुकाने को कहा गया।

उन्होंने दो टोल कर्मचारियों का नाम लेते हुए कहा, मैं 'ऑपरेशन पराक्रम' के दौरान घायल हुआ सैनिक हूं। मेरे पास टोल से छूट के सभी दस्तावेज हैं। बाकी सभी जगहों पर मुझे जाने दिया गया, लेकिन यहां मुझे रोका जा रहा है। श्यामराज ने अपने साथ हुए इस व्यवहार पर सवाल उठाते हुए पूछा, 'क्या आप देख सकते हैं कि मैं इस व्हीलचेयर पर क्यों बैठा हूं? क्या देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिक के साथ इस तरह से व्यवहार किया जाता है?' 'ऑपरेशन पराक्रम' दिसंबर 2001 में भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 10 महीने से अधिक समय तक (दिसंबर 2001-अक्टूबर 2002) चला एक सैन्य अभियान था। इस घटना के दौरान श्यामराज बेहद परेशान दिखे और उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा नियमों के तहत युद्ध में घायल हुए सैनिकों को टोल भुगतान से छूट प्राप्त है। टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने कहा कि वे उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर काम कर रहे थे और उन्हें इस छूट की जानकारी नहीं थी। इस बहस से तनाव और बढ़ गया, श्यामराज ने दिव्यांग पूर्व सैनिकों के प्रति दिखाई गई असंवेदनशीलता पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस घटना की सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना हो रही है, कई लोग इसमें शामिल कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और रक्षा कर्मियों व युद्ध में घायल हुए सैनिकों के लिए टोल नियमों के संबंध में बेहतर प्रशिक्षण की अपील की।

बाल देखभाल और विकास क्षेत्र में पूरे किए दस वर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चाइल्ड केयर सेंटर 'कपार' ने बाल देखभाल व विकास क्षेत्र में दस वर्ष पूर्ण कर अपनी स्थापना की वर्षगांठ समारोहपूर्वक मनाई जिसमें बाल विकास, पुनर्वास और समग्र स्वास्थ्य सेवा में दस साल की सेवाओं को याद किया गया। इस समारोह में फिजियोथेरेपिस्ट, क्लिनिशियन और बाल विकास विशेषज्ञ शामिल हुए। बच्चों के विकास, न्यूरोलॉजिकल और पुनर्वास चुनौतियों का सामना करने के लिए नैतिक, साक्ष्य-आधारित और बहुविषयक देखभाल प्रदान करने की दृष्टि से 'कपार' सेन्टर की स्थापना की गई थीं। आज कपार सेन्टर में 100 से अधिक प्रशिक्षित पेशेवरों की एक टीम ने अब तक एक हजार से अधिक बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। समारोह में वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा विशेषज्ञ पैनल चर्चा और अकादमिक विचार-विमर्श सहित भाषा चिकित्सा, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, ओरो-मोटर पुनर्वास, बाल चिकित्सा फिजियोथेरेपी और मनोवैज्ञानिक विकास पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट की महिला सेल की अध्यक्ष डॉ. रुचि वार्ष्णेय ने फिजियोथेरेपी में अनुसंधान, नवाचार और पेशेवर सहयोग के बारे में विचार व्यक्त किए। अन्य प्रमुख मेहमानों में कॉमडेल ट्रस्ट की संस्थापिका प्रतिभा कारंत, डॉ. ए. सुरेश बाबू रेड्डी ने मल्टीडिसिप्लिनरी चिकित्सा मॉडल पर ज़ोर दिया।'कपार' की संस्थापिका डॉ. पी. सुमिता हेमावती ने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

मनरेगा निरस्त किए जाने के खिलाफ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, शिवकुमार के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, पार्टी के विधायकों और सांसदों ने मनरेगा को निरस्त किए जाने के खिलाफ मंगलवार को 'राजभवन चलो' विरोध मार्च निकाला। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विकसित भारत-गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम के खिलाफ कांग्रेस के नेता, राज्य के राज्यपाल के आधिकारिक आवास लोक भवन की ओर मार्च करने लगे।

कांग्रेस के नेता बाद में एक सरकारी बस में सवार होकर लोक भवन (पूर्व में राजभवन) पहुंचे जहां उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को एक ज्ञापन सौंपा। विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ग्रामीण रोजगार गारंटी ढांचे को खत्म कर रही है और पंचायतों के अधिकारों को कम कर रही है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि ''वीबी-जी राम जी में उल्लिखित राम' का अर्थ दशरथ राम या सीता राम नहीं है। इसका अर्थ है विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)''। उन्होंने कहा कि मनरेगा आजीविका और रोजगार का अधिकार है जिसे मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार द्वारा शुरू किया गया था। उन्होंने केंद्र पर इसे नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाते हुए कहा, ''मनरेगा जनता का अधिकार था, लेकिन अब नहीं। दिव्यांगजनों सहित लगभग पांच करोड़ लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मिल रहा था। अब केंद्र सरकार यह तय करना चाहती है कि कौन सा काम किया जाना चाहिए जबकि पहले यह पंचायतों द्वारा तय किया जाता था।'' उन्होंने आगे कहा कि पंचायतों की भूमिका बुरी तरह से सीमित कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले प्रत्येक पंचायत को लगभग एक करोड़ रुपये मिलते थे और अब उन्हें इससे वंचित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम तब तक लड़ेंगे जब तक वीबी-जी राम जी रद्द नहीं हो जाता और मनरेगा को फिर से लागू नहीं कर दिया जाता।''

कर्नाटक के प्रभारी की भी जिम्मेदारी संभालने वाले सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को खत्म करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार मनरेगा को समाप्त करना चाहती है। मैं कर्नाटक सरकार से आग्रह करता हूं कि पंचायत केंद्रों का नाम बदलकर महात्मा गांधी केंद्र' कर दिया जाए।''

शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राजनीतिक परिणामों की चेतावनी देते हुए कहा, ''मनरेगा को रद्द करके भाजपा ने अपने लिए मुसीबत मोल ले ली है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग वीबी-जी-राम जी को स्वीकार नहीं करेंगे और रोजगार गारंटी कानून को रद्द करने के लिए भाजपा को माफ नहीं करेंगे।''

बाद में उन्होंने राज्यपाल गहलोत को ज्ञापन सौंप दिया। ज्ञापन के अनुसार, प्रमुख आपत्तियों में से एक वित्तपोषण की जिम्मेदारी में बदलाव है। मनरेगा के तहत, केंद्र सरकार मजदूरी की पूरी लागत वहन करती थी जबकि नए कानून के तहत राज्यों को 40 प्रतिशत वहन करना होगा। कर्नाटक सरकार का तर्क है कि जीएसटी मुआवजे, वित्त आयोग के आवंटन और केंद्र द्वारा उपकर के व्यापक उपयोग से संबंधित मुद्दों के कारण राज्य पहले से ही वित्तीय रूप से तंग हैं, जिससे उनके लिए अतिरिक्त खर्च वहन करना मुश्किल हो जाता है।

बेंगलूरु के बाहरी इलाके में अपहरण के प्रयास में एक व्यक्ति बाल-बाल बचा

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के बाहरी इलाके में बदमाशों के एक समूह द्वारा अपहरण का प्रयास किए जाने के बाद एक व्यक्ति बाल-बाल बच गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब 4.30 बजे अनेकल तालुक के इंदलवाड़ी क्रॉस के पास हुई। पुलिस के अनुसार, लगभग आठ लोग तीन मोटरसाइकिलों और एक कार से आए तथा सड़क पर चल रहे एक व्यक्ति को रोका, उस पर हमला किया और उसे जबरदस्ती वाहन में बिठाने का प्रयास किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित को मुख्य सड़क पर रोका, उसे अपशब्द कहे और उसे जबरदस्ती अपनी कार में खींचने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने इस कोशिश का विरोध किया और शोर मचाया, जिससे राहगीर इकट्ठा होने लगे। पुलिस के मुताबिक, जैसे ही लोग घटनास्थल पर जमा होने लगे, आरोपी घबरा गए और व्यक्ति को वहीं छोड़कर अपनी कार और मोटरसाइकिल से भाग गए। पुलिस ने कहा कि आसपास के लोगों के समय पर हस्तक्षेप करने से एक बड़ी घटना टल गई। पुलिस अधिकारी ने बताया, मामला दर्ज कर लिया गया है और अपहरण के प्रयास में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई हैं।

बेंगलूरु | बुधवार | 28-01-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बूंदी में प्रगति प्रसार अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को बूंदी जिले में पंचायत समिति के एक प्रगति प्रसार अधिकारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति हिंडोली के प्रगति प्रसार अधिकारी देवराज मीणा को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि आरोपी मीणा व विकास अधिकारी पीयूष कुमार जैन द्वारा ग्राम पंचायत के निरीक्षण की एवज में 35,000 हजार रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने आज कार्रवाई करते हुए आरोपी देवराज मीणा को विकास अधिकारी पीयूष कुमार जैन के नाम पर 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बयान के अनुसार, आरोपी विकास अधिकारी जैन को इस कार्रवाई की भनक लग गई और वह अपने कार्यालय से कथित तौर पर फरार हो गये। अधिकारियों ने कहा कि मामले में विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मारी, महिला व दो बेटियों की मौत

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में सोमवार रात ट्रक ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी और घसीटता ले गया। पुलिस के अनुसार इस हादसे में स्कूटी चला रही महिला और उसकी दो नाबालिग बेटियों की मौत हो गई तथा एक और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सोमवार रात लाडनूं थाने के गोरेडी गांव के पास हुआ। हादसे में शारदा (47) और उनकी बेटी लाडा (12) और अंकिता (10) की मौत हो गई। एक और बेटी अक्षिता (14) को गंभीर चोटें आईं, उसका पैर कुचल गया और उसका इलाज चल रहा है।पुलिस ने बताया कि लाडनूं की रहने वाली महिला अपनी तीन बेटियों के साथ जा रही थी तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। स्कूटी ट्रक के नीचे फंस गयी और कुछ मीटर तक घिसटता रही। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि शारदा और अक्षिता को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था जहां शारदा ने देर रात दम तोड़ दिया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के तेज रफ्तार एक कार ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा पापड़ता इलाके में हुआ। उसने बताया कि टक्कर लगने के बाद कार ट्रक के नीचे फंस गई और कुछ किलोमीटर तक उसके साथ घिसटती चली गई। पुलिस उपाधीक्षक दीपक मीणा ने बताया कि कार में पांच तीर्थयात्री सवार थे और वे मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में पूजा करने के बाद नोएडा लौट रहे थे। मीणा ने कहा, हरियाणा नंबर वाली कार लालसोट से दिल्ली की ओर जा रही थी तभी वह ट्रक से टकरा गई। कार तेज रफ्तार के कारण ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे फंस गई और कुछ किलोमीटर तक घिसटती चली गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) की मौके पर ही मौत हो गई और पिछली सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आईं तथा उसे दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया है।

पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने के शक में युवक हिरासत में

जैसलमेर। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के शक में राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर से एक युवक को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह कार्रवाई 25 जनवरी की रात को की गई। एक विशेष टीम संदिग्ध के घर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की पहचान नेहड़ान गांव के रहने वाले झाबराराम मेघवाल के रूप में हुई है जो सीमावर्ती इलाके में एक ई-मित्र केंद्र संचालित कर रहा था और कथित तौर पर पाकिस्तानी महिला हैंडलर के संपर्क में था। अधिकारियों ने बताया कि सीआईडी-इंटेलिजेंस की टीमें संदिग्ध को पूछताछ के लिए जयपुर ले गईं जबकि उसके मोबाइल फोन और कंप्यूटर को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि वह पिछले चार साल से गांव में ई-मित्र केंद्र संचालित कर रहा था।खुफिया सूत्रों के अनुसार संदिग्ध की कई सरकारी योजनाओं और दस्तावेजों तक पहुंच थी और शक है कि वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में आया था। सूत्रों के अनुसार, शक है कि उसने मोहपाश में फंसकर रणनीतिक महत्व की जानकारी साझा की होगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आरोपी ने पैसे के बदले संवेदनशील जानकारी साझा की या किसी दबाव में काम किया। राजस्थान की 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पाकिस्तान से लगती है।

हर्षोल्लास के साथ से मनाया गया गणतंत्र दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को पारंपरिक उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्य के शिक्षण संस्थानों व सरकारी भवनों में तिरंगा फहराया गया और संस्कृति व देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने ध्वजारोहण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी अलग-अलग जगह गणतंत्र दिवस समारोहों में भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने तिरंगा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और 'गार्ड ऑफ ऑनर' लिया। उन्होंने अपने संबोधन में विकसित भारत- विकसित राजस्थान बनाने में सभी से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान की महान परंपरा, उसके मूल तत्व और उसके आदर्शों में अटूट आस्था व्यक्त करने का अवसर है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पांजलि अर्पित करके राष्ट्र के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

शहर की बड़ी चौपड़ पर तिरंगा फहराने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार पानी, बिजली, सड़क व अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में हम सभी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता ने युवाओं का विश्वास बहाल किया है।'

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी बड़ी चौपड़ पर पार्टी की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भारत को महान व खूबसूरत गणतंत्र बताया जिसमें सभी जाति व संप्रदाय के लोगों को समानता का अधिकार प्राप्त है। हालांकि उन्होंने सत्ताधारी भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग संविधान को कमजोर कर रहे हैं। जूली ने कहा, जो लोग संविधान की वजह से सत्ता में आए हैं, वही आज संविधान को कमजोर करने की बात कर रहे हैं। दौसा में जिला स्तरीय समारोह में मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने वीरांगनाओं को सम्मानित किया और उनके पैर छुए।

राजनीति में दिल तोड़े भी जाते हैं, दुखाए भी जाते हैं : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोमवार को कहा कि राजनीति में दिल तोड़े भी जाते हैं और दुखाए भी जाते हैं। राजे ने जैन धर्म में अहिंसा के नियम का जिक्र करते हुए यह बात कही। वह छोटी खाटू में आचार्य महाश्रमण मर्यादा महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, जैन धर्म अहिंसा पर आधारित है। किसी भी जीव, किसी भी प्राणी के जीवन को नुकसान पहुंचाना हिंसा मानी गई है। लेकिन हथियार से हिंसा करना या किसी को मारना-पीटना ही हिंसा नहीं है।

किसी का दिल दुखाना और किसी का दिल तोड़ना भी हिंसा है। राजनीति में अक्सर ऐसा होता है। राजे ने कहा, राजनीति में दिल तोड़े भी जाते है और दिल दुखाए भी जाते हैं। उन्होंने कहा कि माता विजया राजे सिंधिया ने सिखाया है कि जीवन में किसी का मन आहत न करें और उन्हीं के रास्ते पर चल रही हैं। एक बयान के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी के साथ अन्याय करना और किसी का हक छीनना भी अधर्म है।

उन्होंने कहा, भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास समय का अभाव है। यदि लोग समय निकाल कर भगवान का स्मरण कर लें तो जीवन में कठिनाइयां आएंगी ही नहीं। इस अवसर आचार्य महाश्रमण ने कहा कि नैतिकता,सद्भावना और नशा मुक्ति व्यक्ति के जीवन में होना चाहिए।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र बुधवार से शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही विपक्ष के आक्रामक तेवर व तैयारियों को देखते हुए सत्ता पक्ष ने भी शाम 4.30 बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। यह बैठक सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सीएम आवास में होगी। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा सत्र पर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि बुधवार से राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ होगा। यह बजट सत्र हमारे लिए ऐतिहासिक है। हमारी राजस्थान विधानसभा का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है और यह हमारा तीसरा बजट है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में दोनों ऐतिहासिक बजट आए हैं और उनकी पालना भी धरातल पर हुई है। मात्र बजट घोषणाएं नहीं हैं, उनकी पालना भी हुई है और तीसरा बजट भी ऐतिहासिक होगा। प्रतिपक्ष हमारा बहुत बड़ा अहम रोल करता है, राजस्थान के विकास में, वो हमारी शक्ति है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रतिपक्ष के सभी साथी राजस्थान की आम आवाम के विकास और राजस्थान के विकास और राजस्थान की जनता की भलाई के लिए शहर तक मुद्दे विधानसभा के पटल पर रखेंगे।जोगाराम पटेल ने कहा कि तर्क और वितर्क, सुझाव, आलोचना और समालोचना के साथ विकास के मुद्दों पर अपनी बात कहेंगे, जिसकी सरकार हर वक्त जवाब देने को तत्पर, तैयार थी और रहेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजस्थान विधानसभा का जो गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, इस बार बजट सत्र में बरकरार रहेगा।

वहीं, विपक्षी नेताओं के बयानों के साथ हाल हुए मुद्दों को देखकर बजट सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का लगातार प्रयास कर रही है, जबकि सरकार इसे कानून व्यवस्था और प्रशासनिक मजबूती से जोड़कर देख रही है। ऐसे में सदन के भीतर टकराव की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। अगले महीने 11 फरवरी को प्रदेश का बजट विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संभाग स्तर के राजनीतिक और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक करके लगातार फीडबैक ले रहे हैं। सरकार इस बजट में आधारभूत संरचना विकास, रोजगार के नए अवसर और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर बड़ा दांव खेल सकती है।

सदन और आसन की गरिमा को बनाये रखे : वासुदेव देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत । सोलहवी राजस्थान विधान सभा के पंचम सत्र की बैठक बुधवार 28 जनवरी से प्रारम्भ होगी। इससे पहले मंगलवार को विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई। सर्वदलीय बैठक में सदन शांतिपूर्वक चलने और सभी सदस्यों द्वारा सम्मानजनक व गरिमा बनाये रखने वाले शब्दों का उपयोग किये जाने पर सहमति व्यक्त की गई। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि पक्ष व प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सदन और आसन की गरिमा सभी सदस्य बनाये रखें। सभी दलों के सभी सदस्य सकारात्मक सोच के साथ सदन को चलाए। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधान सभा के सभी पक्ष एवं प्रतिपक्ष सदस्यों की है।

देवनानी ने कहा कि यह सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इस स्थल की गरिमा को बनाएं रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। इसके लिए यदि सदन को देर तक चलाने की आवश्यकता होगी तो सदन को देर तक चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। यहां पर सदस्यों की बार्ता को गम्भीरता से लिया जायेगा, उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। देवनानी ने सभी दलों से अपील की है कि सदन में गरिमा में रहकर मुद्दे उठायें जाए। सभी सदस्य सदन में मर्यादा में रहकर अपनी बात रखें।

देवनानी ने कहा कि पिछले सत्रों के 96 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब राजस्थान विधानसभा को प्राप्त हो गये है। उन्होंने कहा कि आगे भी समय पर प्रश्नों के जवाब मंगाये जायेंगे। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। सदन में समितियों की रिपोर्ट समय पर मंगायी जायेगी। उन्होंने कहा कि सदन का प्रश्न और शून्यकाल महत्वपूर्ण होता है। इन दोनों समय में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए इसके लिए सभी दलों को मंथन करना होगा।

बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर पूंजीगत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

मुख्य सचिव ने योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। लक्षित वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजना को शहरों के साथ-साथ कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। इसके लिए ग्रामीण उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी बैंक अपने निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अन्य जरूरतमंदों को भी प्रेरित किया जा सके। मुख्य सचिव ने फील्ड विजिट एवं निरीक्षण रिपोर्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव आयोजना विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राजकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में बारिश से सर्दी बढ़ी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जगहों पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मंगलवार सुबह बारिश हुई और सर्द हवाओं से ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर संभाग के कुछ भागों में बारिश हो सकती है।

आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने का अनुमान है। राजधानी जयपुर के कई इलाकों सहित अनेक स्थानों पर मंगलवार सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक, मंगलवार सुबह तक चौबीस घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर हल्की वर्षा हुई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। जोधपुर संभाग में कुछ जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रही और पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्का कोहरा रहा।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कुल 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सम्मानित किया । जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विकास हल्दुनिया एवं सहायक कार्मिक अनिल सैनी को उनके उत्कृष्ट कार्यो और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया ।

इसके अतिरिक्त कोषागार, राजस्व शाखा, लेखा शाखा, रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया यह सम्मान न केवल उनके मनोबल को बढ़ाएगा बल्कि अन्य कार्मिकों को भी बेहतर दक्षता, कौशल और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक प्रशासन का महत्वपूर्ण स्तंभ है और समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य से ही सुशासन की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर सभी सम्मानित कार्मिकों से अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी इसी उत्साह और निष्ठा से कार्य करते हुए जिले के विकास में अपना योगदान देंगे।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधानः योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उनके 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में आए फरियादियों को आश्वासन देते हुए कहा कि ''घबराइए मत, समस्या का समाधान होगा''। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की।

विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना, उनके प्रार्थना पत्रों को पढ़ा और फिर उनसे कहा, ''घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा।'' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति के अनुसार कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाए जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

बयान के अनुसार हर बार की तरह जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे जिनसे मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी और सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी।

ओडिशा के कोरापुट में मालगाड़ी की दो बोगियां पटरी से उतरीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कोरापुट जिले में एक मालगाड़ी की, सामान लदी हुई दो बोगियां पटरी से उतर गईं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार रात करीब 11:35 बजे हुई। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान मालगाड़ी जगदलपुर से विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) के लिए रवाना हो रही थी।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस घटना से यात्री ट्रेनों की आवाजाही पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। साथ ही, किसी के भी हताहत होने की सूचना नही है।

अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पटरी की मरम्मत और बहाली का कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया।

एसआर के कारण असमिया लोगों को नहीं, 'मिया' समुदाय के लोगों को समस्या हो रही है : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि मतदाता सूचियों के जारी विशेष संशोधन (एसआर) के कारण किसी भी असमिया नागरिक को कोई समस्या नहीं हो रही है बल्कि केवल 'मिया' (बांग्ला भाषी मुस्लिम) लोगों को ही इस प्रक्रिया से दिक्कत हो रही है। मुख्यमंत्री ने डिगबोई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 'मिया' समुदाय के लोगों को राज्य में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। शर्मा ने दावा किया कि मतदाता सूची से 'मिया' मतदाताओं के नाम हटाना केवल एक प्रारंभिक कदम है, और जब बाद में राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जाएगा, तो बांग्लादेश के मुसलमानों के चार से पांच लाख वोट रद्द कर दिए जाएंगे।

शर्मा ने कहा, ''हां, हम मिया समुदाय के वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें हमारे देश में नहीं, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं कि वे असम में वोट न दे सकें।'' उन्होंने पूछा, ''अगर मिया समुदाय को इस संबंध में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, तो हमें क्यों चिंतित होना चाहिए?''

निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय की निगरानी में असम में मतदाता सूचियों की समीक्षा का आदेश दिया था, जिसका उद्देश्य नागरिकता का सत्यापन करना था। यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। राज्य में नागरिकता अधिनियम के तहत नागरिकता संबंधी अलग प्रावधान हैं। एकीकृत मतदाता सूची 27 दिसंबर को प्रकाशित की गई थी, जबकि दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 22 जनवरी तक जारी रही। अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

पलामू में जादू-टोना के संदेह में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में कुछ लोगों ने 'जादू-टोना' करने के संदेह में 60 वर्षीय एक बुजुर्ग को कथित तौर पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार को मनातू थाना क्षेत्र के छांका गांव में हुई। मृतक की पहचान फगुनी भुइयां के रूप में हुई है। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बुजुर्ग की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या की गई है। इस घटना में दो से अधिक लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) भेजा गया है। झा ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है।

झारखंड के गिरिडीह में दो आदिवासी लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गिरिडीह (झारखंड)/भाषा। झारखंड के गिरिडीह जिले में दो आदिवासी लड़कियों के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पीरटांड़ थाना क्षेत्र के हरलाडीह इलाके में रविवार रात को तब हुई जब दो नाबालिग लड़कियां गांव के एक मेले से घर लौट रही थीं।

हरलाडीह चौकी के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि छह-सात अज्ञात लोगों ने लड़कियों को अगवा किया और उन्हें पास के एक खेत में ले जाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीड़िताओं की माताओं के बयानों के आधार पर इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है। डुमरी के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुमित प्रसाद ने कहा कि पीड़िताओं की मेडिकल जांच करा ली गई है और दोषियों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है : उमा भारती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित संगम में मौनी अमावस्या स्नान को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के मध्य जारी विवाद के बीच मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को कहा कि किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रशासन और कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण रखने की नसीहत देते हुए भारती ने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस विवाद का कोई सकारात्मक समाधान निकलेगा।

उल्लेखनीय है कि माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को मौनी अमावस्या स्नान करने से मेला प्रशासन और पुलिस द्वारा कथित तौर पर रोके जाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद मेला प्रशासन ने उन्हें नोटिस भेजकर कहा था कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन दीवानी अपील में आदेश दिया गया था कि जब तक अपील निस्तारित नहीं हो जाती, तब तक कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं हो सकता। नोटिस में कहा था कि इससे स्पष्ट है कि कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं किया गया है, बावजूद इसके प्रयागराज माघ मेला 2025-26 में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा अपने शिविर में लगाए गए बोर्ड पर स्वयं को ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य घोषित व प्रदर्शित किया गया है। इसके जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की टीम ने प्रशासन पर शंकराचार्य और उनके शिष्यों की सदियों पुरानी परंपराओं में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

त्रिपुरा सरकार कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि की अनुमति नहीं देगी : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को राज्य की लगभग 19 जनजातियों द्वारा बोली जाने वाली कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की मांग को खारिज कर दिया।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) ने त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के चुनावों से पहले यह मांग उठाई थी, जिसके बाद साहा का बयान आया है। कोकबोरोक, पूर्वोत्तर राज्य की लगभग 14 लाख आबादी वाली 19 जनजातियों में से अधिकांश की मातृभाषा है। मुख्यमंत्री ने दक्षिण त्रिपुरा के जोलाईबारी में एक पार्टी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हम कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि को कभी स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि यह स्वदेशी परंपरा और संस्कृति के लिए खतरा है। अगर रोमन लिपि को उनकी भाषा के लिए अपनाया गया तो युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को पूरी तरह से भूल जाएगी। उन्होंने आदिवासी बुद्धिजीवियों से कोकबोरोक भाषा के लिए अपनी लिपि विकसित करने और उसके उचित विकास का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार स्वदेशी भाषा के लिए बंगाली या किसी अन्य लिपि पर जोर नहीं दे रही है।

साहा ने कहा, अगर चकमा जनजाति के लोग अपनी लिपि विकसित कर सकते हैं, तो कोकबोरोक भाषी लोग पिछड़े क्यों रहें? लिपि का मुद्दा उठाकर युवा पीढ़ी को भ्रमित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केवल भाजपा ही आदिवासी लोगों के जीवन स्तर, उनकी संस्कृति और परंपरा का विकास कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले माणिक्य साम्राज्य को सम्मान देना शुरू कर दिया है।

भारत में भाजपा के हमलों का मुकाबला केवल दीदी कर सकती हैं : अखिलेश यादव

कोलकाता/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सराहना करते हुए कहा कि वह (बनर्जी) पूरे भारत में भाजपा का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने वालीं एकमात्र विपक्षी नेता हैं और भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना पड़ेगा।

यादव ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता किरणमय नंदा के साथ राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में बनर्जी से मुलाकात की। यह मुलाकात विवादास्पद एसआईआर को लेकर राज्य में गरम सियासी माहौल के बीच हुई है। यादव ने भाजपा के हमलों का मुकाबला करने में दिखाए गए साहस के लिए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की सराहना की। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने 40 मिनट की मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, ''पूरे देश में अगर कोई भाजपा का प्रभावी तरीके से मुकाबला कर रहा है तो वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। भाजपा का इसी तरह से मुकाबला किया जा सकता है, जिस तरह वह कर रही हैं। यादव का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कई क्षेत्रीय दल पहले यह आरोप लगा चुके हैं कि गठबंधन में शामिल सबसे बड़ा दल कांग्रेस बड़े भाई की तरह व्यवहार कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यादव ने इस बयान के जरिये न केवल बनर्जी के राजनीतिक रुख की सराहना की, बल्कि कांग्रेस को भी इशारों ही इशारों में अपना संदेश पहुंचा दिया है, जो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से अलग-अलग चुनाव में भाजपा के खिलाफ जीत हासिल करने में विफल रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद मुद्दे पर अयोध्या में जीएसटी उपायुक्त ने इस्तीफा दिया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) उपायुक्त प्रशांत कुमार सिंह ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया तथा कहा कि जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटने की हालिया कोशिशों से उन्हें गहरा दुख हुआ है, जो कथित तौर पर प्रयागराज की पवित्र भूमि से हो रही हैं। सिंह ने कहा कि वह सरकार, संविधान और देश के चुने हुए नेतृत्व के समर्थन में यह कदम उठा रहे हैं। प्रयागराज में ज्योतिष पीठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और माघ मेला प्रशासन के बीच उस समय तनाव बढ़ गया, जब 18 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान पर्व के मौके पर पुलिस ने कथित तौर पर उन्हें और उनके अनुयायियों को गंगा में स्नान करने से रोक दिया।

राहुल की छवि खराब करने के प्रयास में भाजपा, राजनाथ और नवीन ने भी 'गमोसा' नहीं पहना : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असमिया 'गमोसा' विवाद को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी की छवि नष्ट करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि सत्तापक्ष को माफी मांगनी चाहिए क्योंकि गणतंत्र दिवस समारोह में उन्हें और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को तीसरी कतार में बैठाकर ''अपमानित'' किया गया।

भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पारंपरिक 'ऐट होम' कार्यक्रम में 'गमोसा' नहीं पहना था जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रति अनादर है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी 'गमोसा नहीं पहना था।

उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''ये (राहुल द्वारा गमोसा को कथित तौर पर नहीं पहनना) सब झूठ है। यहां तक कि रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी 'गमोसा' नहीं पहना था। राहुल गांधी ने 'गमोसा' पहना, लेकिन बाद में उन्होंने इसे हाथ में पकड़ लिया।''

खरगे ने कहा, ''भाजपा के लोग इसे ऐसा प्रचारित करना चाह रहे हैं कि मानो राहुल गांधी पूर्वोत्तर राज्यों और उनकी संस्कृति के खिलाफ हों। वह एकमात्र नेता हैं जो पूर्वोत्तर के सभी कलाकारों से मिले।''

उनका दावा था कि राहुल गांधी की छवि को नष्ट करना चाहते हैं, लेकिन वे (भाजपा नेता) सफल नहीं होंगे।

खरगे ने कहा, ''उन्होंने (भारतीय जनता पार्टी ने) हमारा अपमान किया। उन्होंने हमें (गणतंत्र दिवस समारोह में) राज्य के मंत्रियों के बगल में तीसरी पंक्ति में बैठाया। इसके लिए उन्हें हमसे माफी मांगनी चाहिए।''

विश्व कप 2030 के फाइनल की मेजबानी करेगा स्पेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैड्रिड/एपी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अभी तक यह नहीं बताया है कि 2030 में होने वाले विश्व कप के नॉकआउट चरण के मैच कहां खेले जाएंगे लेकिन स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि स्पेन फाइनल की मेजबानी करेगा।

स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को इस विश्व कप के संयुक्त मेजबान हैं जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे भी एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे।

स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष राफेल लूज़ान ने पत्रकारों को बताया कि फाइनल मैच स्पेन में होगा, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह किस शहर या किस स्थान पर खेला जाएगा।

उन्होंने कहा, ''स्पेन विश्व कप में शीर्ष पर रहेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।''

मोरक्को भी फाइनल की मेजबानी करना चाहता है।

लक्ष्मीचंद (एलसी) भंडारी

राजेश भंडारी

भंडारी भाईपा स्नेह मिलन में लक्ष्मीचन्द बने अध्यक्ष, राजेश बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा माताजी धाम में रविवार को भंडारी भाईपा का 27वाँ स्नेह मिलन मनाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा आशापुरा माताजी को चुनरी व माताजी, खेतलाजी एवं विनायकजी के लिए 56 भोग अर्पण किए। इस मौके पर वार्षिक सेवा के चढ़ावे बोले गए। धाम पर भंडारी भाईपा के स्नेह मिलन में आयोजित साधारण सभा में अध्यक्ष मदनलाल भंडारी ने सभी का स्वागत किया। सचिव राजेश भंडारी ने कार्यक्रमों के बारे में बताया। कोषाध्यक्ष निर्मल भंडारी ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर भंडारी भामाशाह परिवारों व तपस्वियों का सम्मान किया गया। बैठक में वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई, जिसमें लक्ष्मीचंद (एलसी)भंडारी को अध्यक्ष, राजेश भंडारी को सचिव, निर्मल भंडारी को कोषाध्यक्ष, भेरुमल भंडारी एवं सुमेर भंडारी को उपाध्यक्ष, कैलाश भंडारी एवं महेन्द्र भंडारी को सहसचिव तथा वीरेन्द्र भंडारी को सहकोषाध्यक्ष चुना गया। अन्य 23 सदस्यों को सदस्यीय समिति में शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन पारसमल भंडारी ने किया। आशापुरा महिला मंडल द्वारा प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों का मनोरंजन किया गया, वहीं आशापुरा युवा मंडल ने क्रिकेट प्रतियोगिता एवं प्रस्तावित आशापुरा भंडारी स्पोर्ट्स एरीना योजना की जानकारी दी।

गोपालचंद खिंवेसरा बने साधुमार्गी जैन संघ के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साधुमार्गी जैन संघ की साधारण सभा का आयोजन विजयनगर स्थित समता भवन में संघ के अध्यक्ष सुन्दरलाल सिपानी की अध्यक्षता में हुआ।सुन्दरलाल सिपानी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री महावीर चौपड़ा ने संघ के दो वर्ष के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कोषाध्यक्ष सुशील बरमेचा ने दो वर्ष का आय-व्यय प्रस्तुत किया। कमल सिपानी, दिलीप डागा, किशोर कर्नावट आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्ष सुन्दरलाल सिपानी ने आगामी दो वर्ष के लिए अध्यक्ष पद के लिए गोपालचंद खिंवेसरा के नाम की

घोषणा की। घोषणा होते ही सदन में हर्ष-हर्ष की ध्वनि गूंज उठी। नव निर्वाचित अध्यक्ष गोपालचंद खिंवेसरा ने संघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सबके सहयोग से मैं अपने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल में संघ कोनई ऊंचाइयों पर लेकर जाऊंगा। इस अवसर पर जसवंत मांडोत, नरेन्द्र पोखरना, सुनील नंदावत, इन्द्र सिपानी, विमल कांकरिया, कुलदीप नंदावत, अरविंद खिंवेसरा, ललित खिंवेसरा आदि एवं समता युवा संघ के अध्यक्ष, मंत्री तथा समता महिला मंडल के अध्यक्ष, मंत्री आदि सदस्य उपस्थित थे।

भगवान विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव व प्रतिष्ठा वर्षगांठ की तैयारियां जोरों पर

विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज आयोजित करेगा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में आगामी 30 जनवरी से दो दिवसीय भगवान विश्वकर्मा का 36वां प्राकट्योत्सव व नवम प्राण-प्रतिष्ठा वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कमेटी के अध्यक्ष कीरताराम छड़िया अपनी पूरी टीम के साथ महोत्सव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। महोत्सव में अमर ध्वजा के लाभार्थी भंवरलाल गुगरिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। मीडिया प्रभारी रामदेव धामू ने बताया कि ट्रस्ट के तत्वावधान में इस वार्षिक महोत्सव में जैसलमेर के संतश्री श्रीबाल भारती का सान्निध्य होगा।

मुख्य अतिथि के रूप में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान सरकार के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार व सेखाला के प्रधान रावलराम सुथार उपस्थित होंगे। इस महोत्सव में समाज द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर विश्वकर्मा मंदिर में पूजा, अर्चना, अभिषेक, हवन व भजन संध्या के साथ महाप्रसाद का आयोजन होगा।

बेंगलूरू | बुधवार | 28-01-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

अच्छा इंसान बनने की कोशिश उसी तरह करो जिस तरह हम सुंदर बनने की करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूजीसी नियमः अविश्वास की दीवार न बनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जातिगत भेदभाव को रोकने और समानता को बढ़ावा देने के लिए लागू किए गए नियमों ने कई आशंकाएं पैदा कर दी हैं। अभी ये नियम ही पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। उनकी कई तरह से व्याख्या की जा रही है। अगर समता समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग और महिला के साथ सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व होता तो आज सड़कों पर इतना आक्रोश न होता। सामान्य वर्ग के लोग यह सोचने को मजबूर हैं कि हमारे बच्चों को पहले ही शक के दायरे में ले लिया गया है। देश में जातिगत भेदभाव एक कड़वी सच्चाई है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। हालांकि इसमें बहुत कमी आई है। जो व्यक्ति इसका पीड़ित है, उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन इस प्रणाली में किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। नियम ऐसे हों जो भेदभाव को खत्म करें, सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें। यूजीसी के उक्त नियम सभी वर्गों का विश्वास जीतने में कहीं-न-कहीं विफल रहे हैं। आंदोलन कर रहे लोग यह नहीं कह रहे कि नियम लागू न किए जाएं। बेशक नियम लागू करें, लेकिन सबको अनिवार्य प्रतिनिधित्व देने के साथ उनकी आशंकाओं का निवारण करें। किसी भी नियम-कानून को लागू करने से पहले उसके दूसरे पहलू को जरूर देखना चाहिए। कहीं उसका दुरुपयोग तो नहीं होगा? कहीं वह निर्दोष के लिए फांसी का फंदा तो नहीं बन जाएगा? ध्यान रहे, पूर्व में दहेज प्रथा और जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए संसद ने जो कानून बनाए थे, उनका बहुत दुरुपयोग हुआ है। उन पर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने चिंता जताई है। फर्जी मुकदमों के कारण हजारों लोगों की जिंदगी बर्बाद हुई है।

सामान्य वर्ग की एक चिंता यह है कि अब उच्च शिक्षण संस्थानों में उनके बच्चों को बेवजह निशाना बनाया जाएगा। झूठी शिकायतों की रोकथाम के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था न होने से संस्थान जातिगत झगड़ों के मैदान बन सकते हैं। जो उम्र पढ़ाई-लिखाई और नए दोस्त बनाने की होती है, उसमें बच्चे डर के साए में रहेंगे। इन नियमों से समरसता कितनी बढ़ेगी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन कई अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए यह जरूर कहेंगे कि वे बहुत सोच-समझकर ही किसी से दोस्ती करें। बच्चे भी अन्य वर्ग के सहपाठियों से बातचीत करने से कतराएंगे। क्या इससे समावेशी समाज का निर्माण होगा? विद्यार्थी जीवन में प्रतिस्पर्द्धा की भावना होती है। कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे से कुछ सहपाठियों को ईर्ष्या हो सकती है। अगर सामान्य वर्ग के किसी प्रतिभावान विद्यार्थी के खिलाफ झूठी शिकायत कर दी जाए तो क्या होगा? संस्थान तो खुद को बचाने के लिए कार्रवाई कर देगा। उस विद्यार्थी का भविष्य चौपट हो जाएगा। अगर वह बाद में निर्दोष साबित हो जाए तो यह राहत काफी नहीं होगी, क्योंकि इस दौरान उसे जो मानसिक पीड़ा होगी, पढ़ाई का नुकसान होगा, छवि पर दाग लगेगा, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकेगा। कौन माता-पिता चाहेंगे कि उनकी प्रतिभावान संतानें पढ़ाई करने जाएं और पेशी भुगतें? ऐसी स्थिति में साधन संपन्न लोग अपने बच्चों को विदेश भेजना चाहेंगे, जिससे प्रतिभा पलायन होगा। क्या इससे हम विश्वगुरु बनेंगे? जब एक पक्ष के पास असीमित अधिकार हों, उसे दंड का कोई भय न रहे तो भविष्य में विवाद कम नहीं होंगे, बल्कि बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। यूजीसी के नियमों के जरिए उच्च शिक्षण संस्थानों में हर विद्यार्थी को संरक्षण दिया जाए। किसी के साथ भेदभाव न हो। कोई भी खुद को पराया न समझे। यही सच्चा सामाजिक न्याय होगा।

ट्वीटर टॉक

डबल इंजन सरकार की अभिनव पहल! 'पंच गौरव कार्यक्रम' प्रदेश के हर जिले की विशिष्ट पहचान को नई उड़ान दे रहा है। एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल स्थानीय क्षमताओं को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

-भजनलाल शर्मा

पीयूष पांडे जी भारतीय विज्ञापन जगत के प्रतिष्ठित और प्रभावशाली रचनाकार रहे हैं, जिनका सृजनात्मक करियर चार दशकों से अधिक समय तक फैला रहा। विज्ञापन अभियानों के माध्यम से उन्होंने न केवल उद्योग में रचनात्मक परिवर्तन किए।

-दिया कुमारी

आज छोटी खाटू में आचार्य महाश्रमण मर्यादा महोत्सव में हिस्सा लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन धर्म अहिंसा पर आधारित है। किसी भी जीव, किसी भी प्राणी के जीवन को नुक़सान पहुंचाना हिंसा मानी गई है। लेकिन हथियार से हिंसा करना या किसी को मारना-पीटना ही हिंसा नहीं है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मानवता का सम्मान

नेपोलियन बोनापार्ट अपने विजय अभियानों के दौरान जीते हुए राज्यों को, विजित राजाओं से उनके वफादार रहने का आश्वासन प्राप्त करने के बाद उन्हें पुनः लौटाया करता था। एक बार, ऐसे ही एक हारे हुए राजा को नेपोलियन ने उसका राज्य वापस दे दिया, लेकिन वह शत्रुओं से जा मिला और नेपोलियन के खिलाफ विद्रोह कर दिया। नेपोलियन ने क्रोधित होकर उसकी राजधानी पर आक्रमण कर दिया। नेपोलियन की विशाल सेना से भयभीत होकर राजा अपने परिवार के साथ जंगलों में भाग गया, लेकिन जल्दबाजी में एक बीमार राजकुमार महल में ही छूट गया। नेपोलियन ने राजमहल को तोप से उड़ाने का आदेश दिया। तोपों की गरज के बीच, बीमार राजकुमार इधर-उधर दौड़ने लगा। किसी तरह सिपाहियों ने यह सूचना नेपोलियन तक पहुंचाई। यह सुनते ही नेपोलियन ने तुरंत गोलाबारी रुकवा दी। तोपें शांत होते ही सेनापति नेपोलियन के पास आया और बोला, 'यह आपने क्या किया? सारे सैनिकों का उत्साह भंग हो गया है और सैनिकों के नियमों का भी उल्लंघन हुआ है।' यह सुनकर नेपोलियन ने उत्तर दिया, 'मेरे भाई, मैं मानता हूं कि सैनिकों के नियमों का उल्लंघन हुआ है, लेकिन साथ ही मानवता का अपमान भी हुआ होता, और यह हम वीरों को शोभा नहीं देता।'

सामयिक

नफरत बनाम संविधान : लोकतंत्र की असली कसौटी

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

आधुनिक लोकतंत्रों के सामने नफरती भाषण की समस्या एक गंभीर और बढ़ती हुई चुनौती बनती जा रही है, विशेषकर भारत जैसे बहुलतावादी समाज में, जहाँ धर्म, जाति, भाषा और विचारधाराओं की विविधता ही सामाजिक ढाँचे की आधारशिला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक विमर्श का उद्देश्य आदर्श रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना होना चाहिए, किंतु दुर्भाग्यवश यह विमर्श कई बार उकसावेपूर्ण और विभाजनकारी भाषा में बदल जाता है। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा नफरती भाषण और उस पर प्रतिक्रिया देने वालों की जिम्मेदारी को लेकर की गई हालिया टिप्पणियों ने इस संवेदनशील विषय को एक बार फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला दिया है। न्यायालय की ये टिप्पणियाँ एक गहरी संवैधानिक चिंता को उजागर करती हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाने वाले भाषण के लिए ढाल नहीं बनाया जा सकता और न ही चुनिंदा आक्रोश को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

नफरती भाषण केवल आपत्तिजनक शब्दों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह ऐसी भाषा होती है जो किसी व्यक्ति या समुदाय को अमानवीय बनाती है, उसे हाशिये पर धकेलती है या उसके विरुद्ध शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देती है। भारत जैसे सामाजिक रूप से जटिल देश में इस प्रकार का भाषण सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और पहले से मौजूद सामाजिक दरारों को और गहरा करने की क्षमता रखता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब मूल नफरती भाषण पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती, तो उस पर प्रतिक्रिया देने वालों को अपराधी ठहराना न्यायसंगत नहीं है। यह टिप्पणी कानून के क्रियान्वयन और राजनीतिक जवाबदेही में मौजूद एक गंभीर असंगति को उजागर करती है। जब सत्ता में बैठे लोग भड़काऊ बयान देकर भी दंड से बच जाते हैं, तो यह संदेश जाता है कि सत्ता उन्हें विशेष संरक्षण देती है, जिससे संस्थानों में जनता का विश्वास कमजोर होता है।

एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता द्वारा किसी धार्मिक आस्था के विरुद्ध की गई टिप्पणी से जुड़ा विवाद इस बात का उदाहरण है कि राजनीतिक भाषण किस प्रकार संवैधानिक सीमाओं को पार कर सकता है। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है और इस पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, विशेषकर तब जब कोई भाषण सार्वजनिक व्यवस्था या नैतिकता के लिए खतरा बन जाए। न्यायालय की चिंता केवल उस बयान तक सीमित नहीं थी, बल्कि इस तथ्य पर भी केंद्रित थी कि राज्य ने मूल वक्ता के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि प्रतिक्रिया देने वालों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए गए। कानून का ऐसा चयनात्मक प्रयोग संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है।

> **समाज की सामूहिक भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नागरिक समाज, मीडिया और आम जनता को मिलकर नफरत से प्रेरित कथाओं को अस्वीकार करना होगा। आज के डिजिटल युग में, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से, कोई भी बयान पलक झपकते ही व्यापक प्रभाव डाल सकता है।**

राजनीतिक नेताओं पर सामान्य नागरिकों की तुलना में कहीं अधिक नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी होती है। उनके शब्दों में सत्ता का वजन होता है, वे जनमानस को प्रभावित करते हैं और कई बार पूर्वाग्रह को वैधता प्रदान कर देते हैं। जब नेता स्वयं नफरती भाषा का प्रयोग करते हैं, तो इससे असहिष्णुता सामान्य हो जाती है और समाज में चरमपंथी तत्वों को प्रोत्साहन मिलता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने सही ही कहा कि प्रतिक्रिया को दबाना और मूल कारण को अनदेखा करना न्याय की अवधारणा के साथ अन्याय है। कोई भी लोकतंत्र उस स्थिति में स्वस्थ रूप से कार्य नहीं कर सकता, जहाँ असहमति को दंडित किया जाए और उकसावे को राजनीतिक सुविधा के कारण संरक्षण दिया जाए।

न्यायालय द्वारा रेखांकित किया गया एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सुधार या वैचारिक आलोचना के नाम पर पूरे समुदाय को निशाना बनाने का खतरा। प्रगतिशील समाज में धार्मिक या सामाजिक प्रथाओं की तार्किक आलोचना आवश्यक है, किंतु यह आलोचना संवेदनशीलता और सम्मान के साथ होनी चाहिए। किसी पूरे समुदाय को पिछड़ा, खतरनाक या समस्या का स्रोत बताना सामूहिक दोषारोपण है, जो नफरती भाषण का मूल तत्व होता है। सुधारात्मक विमर्श का उद्देश्य संवाद और समझ को बढ़ाना होना चाहिए, न कि अपमान और उकसावे को। राजनीतिक लाभ के लिए पहचान की राजनीति को हथियार बनाने की प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है। नफरती भाषण अक्सर भावनाओं को भड़काकर समर्थन जुटाने का एक आसान तरीका बन जाता है, जहाँ तर्क और विवेक की जगह भय और आक्रोश को प्राथमिकता दी जाती है। यह रणनीति भले ही अल्पकालिक चुनावी लाभ दे दे, लेकिन इससे सामाजिक एकता को दीर्घकालिक क्षति पहुँचती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ इस बात की याद दिलाती हैं कि लोकतंत्र बहस से फलता-फूलता है, न कि दानवीकरण से। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा संविधानिक मूल्यों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

ऐसे मामलों में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, विशेषकर तब जब कार्यपालिका निष्पक्षता से कार्य करने में विफल रहती है। नफरती भाषण के विरुद्ध कार्रवाई न होने पर चिंता व्यक्त करके मद्रास उच्च न्यायालय ने संवैधानिक नैतिकता के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका को दोहराया है। जब राजनीतिक विमर्श लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर करने लगे, तब न्यायालय मूक दर्शक नहीं बन सकता। हालांकि, न्यायिक हस्तक्षेप का उद्देश्य राजनीतिक जिम्मेदारी का स्थान लेना नहीं, बल्कि उसे सुनिश्चित करना होना चाहिए। इस पूरे प्रकरण से एक महत्वपूर्ण सबक यह मिलता है कि कानून के मानक एकसमान होने चाहिए। नफरती भाषण से संबंधित कानूनों को वक्ता की हैसियत या राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। जब कानून का प्रवर्तन पक्षपातपूर्ण प्रतीत होता है, तो इससे असंतोष और अविश्वास जन्म लेता है, और कानूनी व्यवस्था की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। नागरिकों को लगने लगता है कि न्याय चयनित लोगों के लिए है, जिससे लोकतांत्रिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुँचती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ राजनीतिक वर्ग और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए आत्ममंथन का आह्वान हैं।

समाज की सामूहिक भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नागरिक समाज, मीडिया और आम जनता को मिलकर नफरत से प्रेरित कथाओं को अस्वीकार करना होगा। आज के डिजिटल युग में, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से, कोई भी बयान पलक झपकते ही व्यापक प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में जिम्मेदार संवाद की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। यद्यपि कानूनी उपाय आवश्यक हैं, लेकिन सामाजिक स्तर पर नफरती भाषण की निंदा करना भी उसे हतोत्साहित करने का एक प्रभावी साधन है। नफरती भाषण को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ राजनीतिक जीवन में विभाजनकारी भाषा के सामान्यीकरण के विरुद्ध एक समयोचित चेतावनी हैं। लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता, बल्कि आपसी सम्मान, संवैधानिक अनुशासन और नैतिक संयम से फलता-फूलता है। राजनीतिक नेताओं को यह समझना होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ दूसरों को आहत करने की छूट नहीं है। सच्चा नेतृत्व समाज को जोड़ने में है, न कि वैचारिक या चुनावी लाभ के लिए उसे बाँटने में। यदि भारत को एक जीवंत, समावेशी और सशक्त लोकतंत्र बने रहना है, तो नफरती भाषण का सामना दृढ़ता, निष्पक्षता और निरंतरता के साथ करना होगा और इसकी शुरुआत उन्हीं लोगों से होनी चाहिए, जिनके पास समाज की सोच को दिशा देने की सबसे अधिक शक्ति है।

नजरिया

सड़कें बन रहीं सुरक्षित कम, जानलेवा ज़्यादा

देवेंद्र सिंह
मोबाइल : 80946 61100

हाल ही में जारी वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा रहे हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी कार दुर्घटनाओं की है। तेज़ रफ्तार, नियमों की अनदेखी और लापरवाह ड्राइविंग ने सड़कों को मौत का कुआं बना दिया है। दुनिया भर में सड़क सुरक्षा आज एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुकी है। दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष 5 देशों में भारत, चीन, अमेरिका, ब्राजील और रूस शामिल हैं। इन देशों में खराब सड़क बुनियादी ढांचे, तेज़ गति, यातायात नियमों की अनदेखी और अधिक जनसंख्या के कारण सड़क हादसों और मौतों की दर सबसे अधिक है, जहां भारत में हर 4 मिनट में एक व्यक्ति की जान चली जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि व्यापक और सतत जागरूकता अभियान नहीं चलाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहराता जाएगा।

वैश्विक स्तर पर देखें तो संयुक्त राज्य अमेरिका में 2024 में सबसे अधिक, यानी 1.9 मिलियन से ज्यादा कार दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 36 हजार से अधिक लोगों की मौत और 2.7 मिलियन से अधिक लोग घायल हुए। प्रति मिलियन आबादी पर औसतन 5,938 दुर्घटनाएं हुईं। अमेरिका में जागरूकता अभियान चलने के बावजूद दुर्घटनाओं का ग्राफ नीचे नहीं आ पा रहा और कार दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या बनी हुई हैं। विश्व के शीर्ष पांच देशों में जहां सड़क हादसे सबसे अधिक होते हैं, उनमें भारत, चीन, अमेरिका, ब्राजील और रूस शामिल हैं। खराब सड़क डिजाइन, तेज़ गति, बढ़ती आबादी और यातायात नियमों की अनदेखी इन देशों में मौतों की बड़ी वजह बन रही है।

भारत की स्थिति वैश्विक परिदृश्य में सबसे अधिक चिंताजनक है। विश्व की केवल 1 प्रतिशत कारें भारत में हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली कुल मौतों का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा यहीं दर्ज होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सड़क हादसों से होने वाली मौतों के मामले में भारत पहले स्थान पर है। हर वर्ष करीब साढ़े चार लाख दुर्घटनाएं होती हैं और औसतन हर तीन से चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क पर दम तोड़ देता है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हर बार किसी घर का उजड़ जाना, किसी परिवार का सहारा छिन जाना है। सबसे दुखद तथ्य यह है कि सड़क दुर्घटनाओं

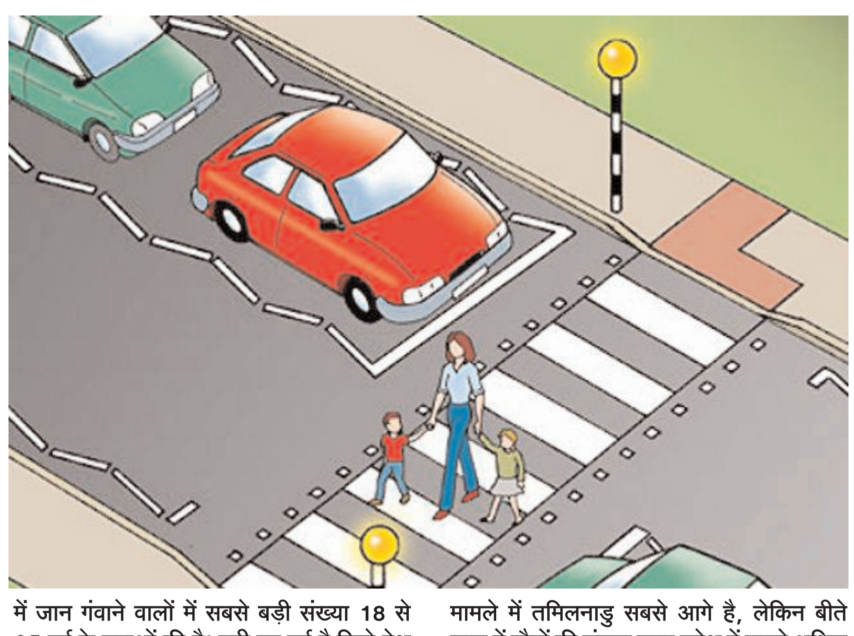

में जान गंवाने वालों में सबसे बड़ी संख्या 18 से 35 वर्ष के युवाओं की है। यही वह वर्ग है जिसे देश की सबसे सक्रिय, ऊर्जावान और उत्पादक आबादी माना जाता है। सड़क हादसे न केवल परिवारों को तोड़ते हैं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति पर भी गहरा असर डालते हैं। एक युवा की मौत का मतलब केवल एक जान का जाना नहीं, बल्कि वर्षों की संभावनाओं का समाप्त हो जाना है।

सरकारी आंकड़े इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में देश में लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 1.72 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। 2024 में यह आंकड़ा और बढ़कर 1.77 लाख मौतों तक पहुंच गया, यानी हर दिन औसतन 485 लोगों की जान गई। राष्ट्रीय राजमार्ग, जो देश के कुल सड़क नेटवर्क का मात्र 2 प्रतिशत हैं, उन पर 31 प्रतिशत मौतें दर्ज की गईं। ताज़ा आंकड़े 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 52,609 (लगभग 317 हिस्सा) लोग मारे गए। 2025 के पहले 6 महीनों में 26,770 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। यह तथ्य बताता है कि बेहतर और चौड़ी सड़कें जहां सुविधा देती हैं, वहीं तेज़ रफ्तार को भी बढ़ावा देती हैं। आंकड़ों पर नजर डाले तो 587 से अधिक मौतें ओवर स्पीड के कारण होती हैं।

राज्यवार स्थिति पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक सड़क दु र्घटनाओं में मौतों के लिहाज से लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं। हादसों की संख्या के मामले में तमिलनाडु सबसे आगे है, लेकिन बीते साल में मौतों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक दर्ज की गई। सड़क हादसों में हुई मौतों के मामलों में यूपी दुनिया के कई देशों को पीछे छोड़ता है। इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन (खठ्ठए) की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी में हर साल करीब 24 हजार लोग अपनी जान गंवाते हैं। प्रतिदिन हुई मौतों के लिहाज से देखें तो यह संख्या 65 के आसपास आती है। तमिलनाडू में हादसों की संख्या करीब 14 फीसदी के करीब, मध्यप्रदेश में 11.8 फीसदी, केरल में 9.5 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 9 फीसदी है। जबकि मौत के मामले में उत्तरप्रदेश 14 फीसदी है। उसके बाद में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक आते हैं।

राजस्थान की तस्वीर भी कम भयावह नहीं है। कुल सड़क नेटवर्क में राज्य की हिस्सेदारी भले ही 3.4 प्रतिशत हो, लेकिन घातक दुर्घटनाओं में इसका अनुपात कहीं अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान सड़क दुर्घटनाओं के मामले में देश में सातवें और मौतों के मामले में छठे पायदान पर है। प्रदेश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में दस हजार से अधिक लोग अपनी जान गवां देते हैं। 2023 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में प्रतिदिन 30 से अधिक मौतें सड़क हादसों में हो रही हैं। हर साल राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सात हजार से अधिक दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें चार हजार से ज्यादा लोगों की जान गई। विशेषज्ञों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की बड़ी वजह तेज़ गति है। बेहतर मखमल जैसी सड़कें और लंबे, सीधे हाईवे वाहन चालकों को तेज रफ्तार से वाहन चलाने के लिए प्रेरित करते हैं। पश्चिमी राजस्थान में सैकड़ों किलोमीटर तक बिना मोड़ वाली सड़कें हैं, जहां थकान या झपकी जानलेवा साबित हो रही है। इसके अलावा आवारा मवेशी, गलत ओवरटेकिंग, लेन ड्राइविंग का पालन न करना, सीट बेल्ट नहीं लगाना और नशे में वाहन चलाना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं।

दौसा जिला इस संकट का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। वर्ष 2024 में यहां 713 दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 737 पहुंच गई। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि बेहतर सड़कों के बावजूद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि समस्या केवल इंफ्रास्ट्रक्चर की नहीं, बल्कि व्यवहार की भी है। सरकार हर साल सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मना कर लोगों को जागरूक करती है। इसके बावजूद सड़क दुर्घटनाएं घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। सरकार नए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्मानें बढ़ाए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया है और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली लागू की है। बावजूद इसके, नशे में ड्राइविंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में राजस्थान में 40 हजार से अधिक चालक शराब के नशे में पकड़े गए, जबकि 2025 में यह संख्या और बढ़ गई। अकेले जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेसवे पर वर्ष 2024 में करीब 5 हजार ओवरस्पीड के चालान काटे गए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढक़र करीब 40 हजार हो गई। यानी ओवरस्पीडिंग पर कार्रवाई में लगभग 9 गुना इजाफा हुआ है। इसके साथ ही राज्य में 900 से अधिक ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं, जहां हादसों का खतरा हमेशा बना रहता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क सुरक्षा को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि निरंतर मिशन के रूप में लेना होगा। स्पीड लिमिट का सख्त पालन, ब्लैक स्पॉट्स पर इंजीनियरिंग सुधार, पर्याप्त रोशनी, बेहतर साइन बोर्ड, हाईवे पेट्रोलिंग और दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता से हजारों जानें बचाई जा सकती हैं। साथ ही, जनता को भी यह समझना होगा कि सड़क केवल चलने की जगह नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का साझा मंच है। हाई-वे और एक्सप्रेसवे विकास के प्रतीक हैं, लेकिन यदि रफ्तार पर लगाम नहीं लगी, तो यही सड़कें मौत की राह बन जाएंगी। जरूरत है संतुलन की-रफ्तार भी हो, लेकिन सुरक्षा के साथ। तभी विकास का यह सफर सच मायनों में सुरक्षित कहा जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

लखनऊ में मंगलवार को स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों के खिलाफ मंगलवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास प्रदर्शन किया।

लगातार नौवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार नौवां बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। वैश्विक अनिश्चितता के बीच पेश होने वाले इस बजट में आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से सुधारवादी उपायों के होने की उम्मीद है।

इसके साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा विभिन्न समय अवधियों में पेश किए गए 10 बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी। देसाई ने 1959-1964 के दौरान वित्त मंत्री के रूप में कुल छह बजट और 1967-1969 के बीच चार बजट पेश किए थे।

पूर्व वित्त मंत्रियों पी चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी ने अलग-अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में क्रमश: नौ और आठ बजट पेश किए थे। हालांकि, लगातार सबसे अधिक बजट पेश करने का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम ही रहेगा। इस साल वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार नौ बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में दूसरी बार सत्ता में आने पर सीतारमण को भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया था। इसके बाद 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद वित्त मंत्रालय उनके पास ही रहा।

अब तक सीतारमण ने फरवरी 2024 के अंतरिम बजट सहित कुल आठ लगातार बजट पेश किए हैं। स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य इस तरह हैं:

पहला बजट: स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। सर्वाधिक बजट: पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नाम सबसे अधिक बजट पेश करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के रूप में कुल 10 बजट पेश किए।

दूसरा सबसे अधिक बजट: पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किए। उन्होंने पहली बार 19 मार्च, 1996 को प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली संयुक्त मोर्चा सरकार के दौरान बजट पेश किया था। उन्होंने कांग्रेस की अगुवाई वाली संप्रग सरकार में भी कई बजट पेश किए। तीसरा सबसे अधिक बजट: प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। मनमोहन सिंह: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच पी वी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए लगातार पांच बजट पेश किए थे। सबसे लंबा बजट भाषण: सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम है। उनका एक फरवरी, 2020 का बजट भाषण दो घंटे और 40 मिनट तक चला था। उस समय, उन्होंने दो पेज बाकी रहते हुए ही अपना भाषण समाप्त कर दिया था।

पूजा

कोलकाता में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रेसिडेंट अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल यादव के साथ पश्चिम बंगाल में 'कालीघाट मंदिर' में पूजा करते हुए।

भारत-इटली संबंध तेजी से अग्रसर हो रहे : इटली के राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला ने कहा है कि भारत और इटली के संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा ये पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहरे होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश ''लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान'' जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं।भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने शुभकामना संदेश में, मैटारेला ने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय एजेंडा के हर क्षेत्र में, साथ ही भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के ढांचे के भीतर, ''हमारे देशों के बीच तालमेल'' मजबूत हो सकता है, जिसे नए आर्थिक और व्यापारिक समझौतों से ''काफी लाभ'' होगा।

छब्बीस जनवरी की तारीख वाले शुभकामना संदेश का अंग्रेजी अनुवाद इतालवी दूतावास ने मंगलवार को साझा किया।मैटारेला ने कहा, गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपको, राष्ट्रपति महोदया, भारत गणराज्य के समृद्ध भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं।संदेश में कहा गया है कि संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना के कार्यान्वयन की बदौलत द्विपक्षीय साझेदारी, सहयोग के नए अवसरों से ''हर दिन समृद्ध हो रही है'', चाहे वह ''हमारे संबंधित आर्थिक संचालकों के बीच संयुक्त परियोजनाओं, वैज्ञानिक सहयोग, या हमारे नागरिक समाजों के बीच तेजी से गहन और फलदायी संपर्कों'' के माध्यम से हो।

मैटारेला ने यह भी कहा कि दिल्ली और रोम ''लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान'' जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, ''वे कई परस्पर संबंधित हितों का भी अनुसरण करते हैं, जिनकी शुरुआत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सुरक्षा, हिंद-भूमध्य सागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता की शांतिपूर्ण प्राप्ति तथा प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी बहुपक्षीय प्रबंधन से होती है।''

विश्व भर में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस

वारसॉ/एपी। बर्लिन में मंगलवार को भोर में नरसंहार स्मारक पर मोमबत्तियां जलाई गईं और यूरोप तथा इससे बाहर लोगों की गतिविधि अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस मनाने के लिए थम सी गई। यह दिन नाज़ी जर्मनी द्वारा लाखों लोगों की हत्या और महाद्वीप से यहूदियों को पूरी तरह खत्म करने के लिए किए गए कृत्यों की याद दिलाता है।

अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस 27 जनवरी को विश्व भर में मनाया जाता है, जो नाजी जर्मनी के सबसे कुख्यात मृत्यु शिविरों में से एक 'ऑशविट्ज़-बिरकेनाउ' को सोवियत सेनाओं द्वारा मुक्त कराए जाने का दिन है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मन कब्जे वाले क्षेत्र में शामिल रहे ऑशविट्ज़ में स्थित स्मारक स्थल पर पूर्व कैदियों ने 'मृत्यु दीवार' पर पुष्पांजलि अर्पित की, जहां जर्मन सेना ने हजारों लोगों की हत्या की थी, जिनमें से अधिकतर पोलैंड के नागरिक थे।

दिन में बाद में, पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी पास के विशाल स्थल बिरकेनौ में उस त्रासदी को देखने वाले जीवित बचे लोगों के साथ एक स्मरण समारोह में शामिल होंगे। इस स्थल पर यूरोप भर से यहूदियों को गैस चैंबरों में मार डालने के लिए लाया गया था।

नाज़ी जर्मन सेना ने ऑशविट्ज़ में लगभग 11 लाख लोगों की हत्या की थी, जिनमें से अधिकतर यहूदी थे, लेकिन पोलिश, रोमा और अन्य लोग भी शामिल थे।

रेड आर्मी द्वारा 27 जनवरी, 1945 को ऑशविट्ज़ को मुक्त कराए जाने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मंगलवार को पूरे यूरोप में और साथ ही संयुक्त राष्ट्र में भी समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

अपने पड़ोसियों पर युद्ध और नरसंहार थोपने वाला राष्ट्र जर्मनी बुधवार को संसद भवन (बुंडेस्टैग) में एक स्मरण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इजराइल अप्रैल 1943 में हुए वारसॉ यहूदी बस्ती विद्रोह की वर्षगांठ पर नरसंहार स्मरण दिवस मनाता है, जो नाजी आतंक के खिलाफ यहूदी प्रतिरोध पर जोर देता है।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

'लिटिल थिंग्स', 'कारवां', 'चॉपस्टिक्स' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस

तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे 'न्यूज दर्शन' दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, 'लिटिल थिंग्स' हुआ, 'गर्ल इन द सिटी' हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

जुलूस

प्रयागराज में मंगलवार को आर्मी के जवानों के परिवार के सदस्य प्रयागराज के संगम पर 'गंगा पूजा' जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

कोलकाता में मंगलवार को कंप्यूटर टीचर्स प्रोटेस्ट रैली निकाली।

'मैं हर पल को जी रही हूं' : शहनाज गिल

मुंबई/एजेन्सी

पंजाब की 'कटरीना' के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, आज 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे।अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे

शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने 'माझे दी जट्टी' और 'पिंड दियां कुड़ियां' जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की 'बेबी' से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म 'सत श्री अकाल' और 'काला-शा-काला' में काम किया।

अभिनेत्री साल 2019 में 'बिग बॉस 13' में नजर आई थीं। यहां शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से प्रसिद्धि हासिल की थी। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं थीं। बिग बॉस के बाद उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों में काम किया।

द 50 : प्रिंस नरूला के बाद अब युविका चौधरी को मिला 'लायन का टिकट'

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'द 50' जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। यह शो इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें 50 सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ के नामों की घोषणा हो गई है, तो कुछ का अभी पता लगना बाकी है। शो में कई बड़े नाम कंफर्म हो चुके हैं, जिनमें करण पटेल, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरुला, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया, चाहत पांडे और नीलम गिरी समेत कई कंटेस्टेंट के नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अब अभिनेत्री युविका चौधरी का नाम जुड़ गया है। युविका, जो अभिनेता प्रिंस नरुला की पत्नी हैं, उन्होंने खुद शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उन्हें भी लायन का टिकट मिल गया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। वीडियो में युविका कहती हैं, इसी का तो मुझे बेसब्री से इंतजार था। 7 साल हो गए मुझे एक रियलिटी शो किए। मैं इंतजार कर रही थी एक ऐसे बेहतर शो का जो मेरी काबिलियत से मैच करे, जो मुझे

हर पल चैलेंज करे। अब आखिरकार वो मौका मिल गया।

मैं आ रही हूं आप सबको चैलेंज करने और ये दिखाने के लिए कि युविका चौधरी किसी से कम नहीं है।अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, एक नई शुरुआत। द 50 के लिए बहुत उत्साहित हूं। खबर सुनने के बाद प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। शो में प्रिंस नरुला भी नजर आएंगे, और युविका के जाने से शो में पावर कपल का जलवा एक बार फिर देखने को मिलेगा। दोनों साथ में शो में एंट्री कर रहे हैं।यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। यह शो दर्शकों और कंटेस्टेंट को एक नया और अलग अनुभव देने वाला है। अब देखना होगा कि यह शो दर्शकों को कैसा लगेगा।

श्रुति हासन : टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाई।एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ धीरुडु' (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। 'रेस गुर्रम' (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने 'डी-डे', 'रामैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया।

जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन 'उन्नैपोल ओरुवन' से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मायुम बेंगलूरु

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर पर सत्वा डिविनिटी व अनुग्रह अपार्टमेन्ट में रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान के दौरान कुल 73 यूनिट रक्त संग्रह किया गया और साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर से लगभग 200 निवासियों को विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिला। इस आयोजन में प्रोजेक्ट संयोजक शुभम लोहिया, प्रोजेक्ट संयोजक पवन राजलीवाल, रूपेश केडिया, विशाल धनुका, बरुण अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, कुश अग्रवाल, नितिन माहेश्वरी एवं पंकज जैन की सक्रिय भूमिका रही। आयोजकों ने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से समाज सेवा करना सच्ची राष्ट्र सेवा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार भवन

स्थानीय राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट एवं सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वाधान में ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संयोजक हरीश्चंद्र झा के नेतृत्व में झंडातोलन किया गया। कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, ट्रस्ट के सचिव राजेश्वर सिंह, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, सचिव पंडित राजगुरु, कार्यक्रम के अध्यक्ष उदय कुमार, मोहन झा, मिंटू दुबे, रवि कुमार, राहुल कुमार एवं महिला मंडल सदस्याएं, मैनेजिंग ट्रस्टी राम लखन सिंह, रामकिंकर सिंह , सचिव राम लखन आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बन्नूर

मैसूरु के बन्नूर स्थित बाल गंगाधर स्वामी शिक्षण संस्था में गणतंत्र दिवस मनाया गया। अतिथि महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने ध्वजारोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्राचार्य अश्वथ कुमार, प्रधानाध्यापक उमाशंकर, व्यवस्थापक आनंद गौड़ा सहित अनेक शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्यावर संघ

बेंगलूरु के ब्यावर संघ के तत्वावधान में युवा शाखा द्वारा जयनगर स्थित वात्सल्यपुरम आश्रम में गणतंत्र दिवस मनाया गया। बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य और अपनी कला की प्रस्तुतियां दी। नोरतमल, धीरज कुमार नाहर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में संघ के वर्तमान अध्यक्ष ललित डाकलिया, निवर्तमान अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, मंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा महामंत्री कुलदीप छाजेड़ एवं अन्य सदस्यों ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ध्वजारोहण किया तथा बच्चों को व्यसन त्याग का संकल्प करवाया। महामंत्री कुलदीप छाजेड़, अमित बोहरा, वर्धमान श्रीश्रीमाल, लकी बोहरा, विकास पारख, दिनेश खींचा, अरिहंत छाजेड़, मनीष मेडतवाल, यशवन्त रांका, कंचन छाजेड़, मोनिका बोहरा, ममता मेडतवाल, पूनम बोहरा ने कार्यक्रम में सहयोग दिया। आश्रम की संचालिका शिखा जैन ने धन्यवाद दिया।

आमंत्रण :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु सिटी कुमावत समाज के सदस्यों ने आगामी 14 फरवरी से सात दिवसीय मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण के लिए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर उन्हें बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे आमंत्रित किया। इस अवसर पर कुमावत समाज सिटी के सचिव मनोहरलाल अडाणिया, कोषाध्यक्ष सम्पतराज चांदोरा, रमेश मानणिया, प्रचार मंत्री प्रकाश मावर, सलाहकार जीवाराम कुमियाल मौजूद थे।

गोड़वाड़ जैन महासभा का स्नेह मिलन हर्षोल्लास से सम्पन्न

■ 'गोड़वाड़ समाज रत्न' अलंकरण से सम्मानित हुए कुमारपाल ■ आचार्यश्री नित्यानंदसूरी से किया गया चातुर्मास हेतु निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गोड़वाड़ जैन महासभा का स्नेह मिलन बन्नरघट्टा रोड़ स्थित एक निजी रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। स्नेह मिलन की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम में लाभार्थी भवरलाल श्रीश्रीमाल के साथ महासभा के उपाध्यक्ष ललित तलेसरा, महामंत्री प्रवीणकुमार चांदावत, कार्यक्रम के चेयरमैन अश्विन सेमलानी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। आडियो वीडियो प्रजेन्टेशन के माध्यम से गोड़वाड़ की सांस्कृतिक धरोहर व बेंगलूरु में गोड़वाड़ समाज द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई। गोड़वाड़ महासभा के कुमारपाल सिसोदिया द्वारा समाज हित में दी जा रही उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कार्यक्रम में गोड़वाड़ महासभा व समाज के वरिष्ठजनों की ओर से उन्हें 'गोड़वाड़ समाज रत्न' अलंकरण से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में स्नेह मिलन के संपूर्ण प्रायोजक पुष्पाबाई भवरलाल श्रीश्रीमाल परिवार का भी महासभा की ओर से सम्मान किया गया।

कुमारपाल सिसोदिया ने अलंकरण प्राप्ति के लिए उपस्थित जनों को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैंने जो भी कार्य किए हैं उनमें मुझे पूरे समाज का सहयोग प्राप्त हुआ है। यह सम्मान वास्तव में मेरा नहीं अपितु समस्त समाज का सम्मान है। उन्होंने कहा कि पद्मश्री से विभूषित आचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी से गोड़वाड़ भवन में आगामी चातुर्मास तय करने के लिए गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप सुराणा, महामंत्री विक्रमकुमार करबावाला एवं वे स्वयं मिलेंगे। यदि आचार्यश्री से चातुर्मास की स्वीकृति प्राप्त होती है तो आगामी चातुर्मास आध्यात्मिक एवं समाज हित की योजनाओं के साथ अपूर्व व ऐतिहासिक बनेगा। ङ्कङ्कदिन भर चले गोडवाड़ कार्निवल में सभी सदस्यों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिलाओं एवं पुरुषों के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम में गोड़वाड़ क्षेत्र के 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का भी सम्मान किया गया। अगले सम्मेलन के संपूर्ण प्रायोजक बनने वाले सुरेशकुमार सौरभ कुमार क्रिश मेहता परिवार का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में किरण कांकरिया, निर्मलकुमार धोका, महीपाल सुराणा, रमेशकुमार चांदावत, राजेश राठौड़, गोपाल सिसोदिया, भरत सेमलानी, राहुल सुराणा, वसंत सोलंकी, अशोक बंबोली, आकाश कांकरिया, आदि का सहयोग मिला। कार्यक्रम का संचालन महीपाल सुराणा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्वशांति निकेतन

बेंगलूरु के कर्नाटक पेरेंटस एसोसिएशन फॉर सिटिजन्स विद इंटेलेक्चुअल डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज ने अपने ग्रुप होम 'विश्वशांति निकेतन' का 17वां वार्षिक दिवस और गणतंत्र दिवस नेलमंगला में मनाया। अतिथियों ने दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया तथा बच्चों को पाठ्य सामगी व उपहार दिए गए। संस्था के सचिव गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि इस निकेतन में 59 वयस्कों की देखभाल की जाती है। संस्था के डे केयर सेंटर में आसपास के गांवों से 16 मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को लाकर उनकी देखभाल की जाती है और शाम को उन्हें घर वापस पहुंचाया जाता है। परिसर में फिजियोथेरेपी सेंटर ऑफ एक्सिलेंस केन्द्र का उद्घाटन किया गया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

डोशी डायनामिक्स टीम ने अष्टापद कप पर किया कब्जा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भीनमाल क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित एवं दरियादेवी सांवलचंद खाटेड़ द्वारा प्रायोजित 'अष्टापद कप' में मेटलाइन मावेरिक्स व दोशी डायनामिक्स टीम के बीच के मुकाबले में डोशी डायनामिक्स टीम ने अष्टापद कप-2026 पर कब्जा किया। टूर्नामिंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का ख़िताब राकेश लुंकड़ एवं टूर्नामिंट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का ख़िताब संदीप सेठ के नाम रहा। फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का ख़िताब सौमिल जैन को मिला। सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल चौहान ने सभी का स्वागत किया। संचालन दिलीप वाणीगोता ने किया।

आरआर नगर में 'उपनिषद-दो पीढ़ियों के मिलन' कार्यक्रम सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा कन्या मंडल के लिए निर्देशित 'उपनिषद-दो पीढ़ियों का मिलन' कार्यक्रम का फाइनल राउंड तेरापंथ भवन में किया गया। गिगल्स विद ग्रैंडपेरेंटस कार्यक्रम में दो पीढ़ियों के बीच में संवाद स्थापित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत किया। कन्याओं द्वारा हाउजी, ट्रेजर हंट, टंग ट्विस्टर जैसे मनोरंजन खेल खिलाए गए। देशभक्ति के गीतों का सामूहिक संगान किया गया। साउथ जोन कन्या मंडल की संयोजिका रुचिका पटावरी एवं राष्ट्रीय सहमंत्री मधु कटारिया ने अपने विचार रखे एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कन्या मंडल की संयोजिका झलक रुणवाल एवं सहसंयोजिका प्रज्ञा मरोठी ने किया। प्रभारी वनिता दुगड़ ने धन्यवाद दिया। कन्या मंडल सहप्रभारी पूजा चौरड़िया आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने ट्रंप की टैरिफ संबंधी धमकियों को खारिज किया

टोरंटो/एपी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दी जा रही टैरिफ संबंधी धमकियों को अमेरिका-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा से पहले की बातचीत संबंधी रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए।

कार्नी ने कहा कि इस वर्ष अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) की समीक्षा होने जा रही है और उन्हें एक मजबूत समीक्षा की उम्मीद है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति एक प्रमुख वार्ताकार हैं और इस तरह की कुछ टिप्पणियों और रुख को उसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हाल के सप्ताहांत में ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि कनाडा बीजिंग के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा सकते हैं।

राजेन्द्रसूरी जैन मंदिर में धूमधाम से हुआ वार्षिक ध्वजारोहण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजेंद्रसूरी जैन मंदिर में साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाश्रीजी की निश्रा में वार्षिक ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि जैन धर्म में जैन ध्वजा महत्वपूर्ण है और जैन अनुयायियों के लिए एकता के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। जैन ध्वज की संरचना अलग-अलग पांच रंगों से होती है। सफेद पट्टी के केंद्र में एक स्वस्तिक है, जिसके ऊपर तीन बिंदु और शीर्ष पर एक अर्धचंद्र है। एक मुक्त आत्मा को अर्धचंद्र के ऊपर बिंदी द्वारा दर्शाया जाता है। ये सभी नारंगी रंग के हैं। लाल रंग सिद्ध आत्मा का, पीला रंग आचार्यों का, सफेद अरिहंतों व अहिंसा, हरा रंग उपाध्यायों का तथा नीला रंग तपस्वियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसका अर्थ, कोई अधिकार नहीं (अपरिग्रह) भी है। अहिंसा, सत्य,अस्तेय, ब्रह्मचर्य यह आत्मा के अस्तित्व की चार अवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आत्मा का उद्देश्य खुद को इन चार चरणों से मुक्त करना और अंततः अरिहंत या सिद्ध बनना है। जैन ध्वज पर स्वस्तिक के ऊपर तीन बिंदु जैन सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान व सम्यक चरित्र के द्योतक है।ङ्कङ्कसाध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने शिखर पर विधि पूर्वक ध्वजारोहण कार्यक्रम करवाया। ध्वजारोहण का लाभ अमर ध्वजा के लाभार्थी मिश्रीमल उकाजी सालेचा परिवार ने लिया। इस अवसर पर ट्रस्टीगण मेघराज भंसाली, तिलोकचंद भंडारी, नेमीचंद वेदमुथा, हेमराज मोदी, मांगीलाल वेदमुथा, जयंतीलाल पटियात, दिलीप कांकरिया आदि उपस्थित थे। संगीतकार सुनील व उनकी टीम ने संगीत की प्रस्तुति दी। रौनक पटियात ने भजनों की प्रस्तुति दी। नेमीचंद वेदमुथा ने सभी को धन्यवाद दिया। एक अन्य कार्यक्रम में सिमंधर स्वामी राजेन्द्रसूरी संघ मामुलपेट के सदस्यों ने मैसूरु में विराजित आचार्यश्री जयानंदसूरीश्वरजी की आज्ञानुवर्ती साध्वीश्री मुक्तिप्रज्ञाश्रीजी के दर्शन कर बेंगलूरु चातुर्मास हेतु निवेदन किया।

CIO
बीमा लोकपाल परिषद
Council for Insurance Ombudsmen

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय
तीसरी मंजिल,जीवन सेवा अनेक्स,
एस.वी. रोड, सांताक्रूज (प.), मुंबई-400054

विज्ञापन क्रमांक 3/2025-2026 दिनांक:28.01.2026

सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित)/ स्वतंत्र बीमा टीपीए/ जीवन बीमा उद्योग में अनुभवी व्यक्तियों की 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद पर संविदात्मक आधार पर (कॉन्ट्रैक्ट पर) नियुक्तियाँ

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय द्वारा निम्नलिखित बीमा लोकपाल कार्यालयों में 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद के लिए जीवन बीमा/सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित) कंपनियों में (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से)/ स्वतंत्र भारतीय बीमा टीपीए से सेवानिवृत्त/स्वेच्छिक रूप स सेवानिवृत्त/इस्तीफा देने वाले अनुभवी व्यक्तियों की सविन्दात्मक आधार पर (Contractual basis) ऑनलाइन आवेदन द्वारा नियुक्ति प्रस्तवित हैं

अहमदाबाद	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर
चंडीगढ़	चेन्नई	दिल्ली	कोच्चि
गुवाहाटी	हैदराबाद	जयपुर	कोलकाता
लखनऊ	मुंबई	नोएडा	पटना
पुणे	ठाणे		

पात्रता :

(i) न्यूनतम आयु- 40 वर्ष से कम नहीं और अधिकतम आयु - 62 वर्ष से अधिक नहीं (ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि पर)।

(ii) अधिकारी के रूप में भारत में स्थित सार्वजनिक/ अथवा निजी बीमा कंपनी/ स्वतंत्र बीमा टीपीए में न्यूनतम दस साल का अनुभव। जहाँ तक सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के आवेदकों का संबंध है, केवल ऐसे आवेदक पात्र होंगे जिनका अंतिम कार्यभार (असाइनमेंट) सार्वजनिक क्षेत्र बीमा कंपनी के समकक्ष स्केल II, III या IV का रहा हो।

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18.02.2026 शाम 17:30 बजे तक है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र, पात्रता, संविदात्मक नियुक्ति (contractual engagement) की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य निर्देशों के लिए कृपया QR कोड को स्कैन करे/हमारी वेबसाइट **www.cioins.co.in.** पर जायें (आप "Engagement of Specialist" टैब के अंतर्गत देख सकते हैं)।

टिप्पणी : इस संबंध में शुद्धिपत्र/ अगली जानकारी यदि कोई हो, तो इसी वेबसाइट में अधिसूचित की जायेगी। व्याख्या में संदेह होने पर अंग्रेजी विज्ञापन मान्य होगा।

महासचिव (बीमा लोकपाल परिषद)

CBC 15227/12/0003/2526

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**